''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 88 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 30 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

सीएम से मिलकर 4600 बीघा जमीन का विवाद सुलझाने पहुंचे सूरजपाल भूरा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। दो राज्यों के बीच 4600 बीघा जमीन के विवादों का हल न होने के चलते करीब 50 सालों से न्याय की आस में भटकते किसानों को इंसाफ दिलाने के लिए मसीहा बनकर उभरे चांदपुर गांव के सरपंच सूरजपाल भूरा अब सीएम नायब सिंह सैनी से मिले और उन्हें किसानों की समस्या से अवगत कराया।

जी हां! हम बात कर रहे हैं यमुना नदी के किनारे सटे गांव चांदपुर की यहां के किसानों की 4600 बीघा जमीन यमुना द्वारा भूमि कटाव के कारण उत्तर प्रदेश में चली गई। अब किसानों के लिए समस्या यह थी कि इस जमीन को उत्तर प्रदेश राज्य के रिकार्ड में कैसे दर्ज करवाएं। वर्षों से लंबित समस्या की गंभीरता को देखते हुए चांदपुर गांव के सरपंच और सरपंच एसोसिएशन के प्रधान सूरजपाल भूरा ने इस मामले में पहल करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी से मिले। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि इस मामले को यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर सुलझाएं।

जानकारी के लिए बता दें कि वर्ष 1974 में केंद्र सरकार ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच यमुना के कारण पैदा हुए सीमा विवाद की समस्या का हल करने के लिए दीक्षित आयोग का गठन किया था, तब दीक्षित आयोग के अनुसार दोनों प्रदेशों के बीच यमुना को ही सीमा तय कर दिया था और आयोग ने कहा था कि यदि यमुना नदी के कटाव के कारण भूमि उत्तर प्रदेश में चली जाती है तो एसी स्थिति में भी मालिक हरियाणा के किसान ही रहेंगे तथा जमीन उत्तर प्रदेश के राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाएगी और इसी तरह उत्तर प्रदेश की तरफ यमुना का कटाव हुआ और उत्तर प्रदेश के किसानों की भूमि हरियाणा की तरफ निकलती है तो मालिक उत्तर प्रदेश के किसान बने रहेंगे और जमीन हरियाणा के राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाएगी।

वर्तमान में चांदपुर गांव जोकि हरियाणा में है के किसानों की जमीन बेला कलां गांव उत्तर प्रदेश की तरफ है। यह जमीन दीक्षित आयोग के अनुसार नोएडा राजस्व रिकार्ड में दर्ज तो की जा चुकी है, लेकिन अभी तक चांदपुर गांव के किसानों नाम बेला कलां की खतौनी में दर्ज नहीं किए हैं। जिस कारण दोनों प्रदेश के किसानों में इस जमीनी विवाद को लेकर लाठियां डंडे एवं गोलियां तक चल चुकी हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि खतौनी में नाम दर्ज नहीं होने की स्थिति में कोई भी किसान के खाते की जमीन पर अपना कब्जा दिखाकर उसके हिस्से को बेचने का प्रयास कर सकता है।

दो वार्डों की समस्याओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी

दो वार्डों की समस्याओं को पति पत्नी मिलकर हल करेंगे

समाचार गेट/संजय

बल्लभगढ। नगर निगम वार्ड 42 से पार्षद दीपक यादव और वार्ड 43 से पार्षद रश्मि यादव दोनों ही अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। दोनों ही वार्ड एक दूसरे के साथ लगते हुए हैं। एक तरफ वार्ड 42 के पार्षद पति दीपक यादव हैं तो वहीं वार्ड 43 की पार्षद दीपक यादव की पत्नी रश्मि यादव हैं।

कुल मिलाकर वार्ड 42 और 43 को दो की जगह एक ही गिना जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि 2 वार्डों की समस्याओं को अब दोनों ही मिलकर हल करेंगे। यह बात हम नहीं कह रहे बल्कि वार्ड न. 42 और 43 की हेल्पलाइन के लिए जारी मोबाइल नंबर 8586864243 खुद कह रहा है। इस हेल्पलाइन नंबर के आखिरी 4 नंबर 42 और 43 हैं।

अब इनके द्वारा किए कार्यों की तेजी देखिए जिसमें मोहन झा निवासी 36 गज सेक्टर 2 के सीवर की समस्या, विष्णु शर्मा निवासी गली न. 4, भाटिया कॉलोनी सीवर की समस्या, रामेश्वर दयाल शर्मा निवासी हाउस न. 387, गली न. 4, आर्य नगर के स्ट्रीट लाइट की समस्या, मनोज गुप्ता निवासी हाउस न 299, बनिया वारा के सीवर की समस्या, मोनू यादव निवासी हाउस न. 273, मिल्क प्लांट रोड, आर्य नगर के सीवर की समस्या, विपिन कुकरेजा निवासी हाउस न. 362 के स्ट्रीट लाइट की समस्या, कृष्ण गोपाल निवासी हाउस न. 43, राव कॉलोनी के सीवर की समस्या, सतीश शर्मा निवासी हाउस न. 87, सीही गेट, राज वारा के सीवर की समस्या, रोहित निवासी हाउस न. 570,आजाद नगर के सीवर की समस्या, प्रहलाद निवासी राज वारा, सीही गेट के सीवर की समस्या, ओमदत्त निवासी हाउस न.310,गली न.4, भाटिया कॉलोनी,ब्लॉक सी के सीवर की समस्या, दीपांशु भारद्वाज निवासी जी47, त्रिखा कॉलोनी के सीवर की समस्या, गोपाल शर्मा निवासी सेक्टर 2 के सीवर की समस्या के लिए प्रभावी कदम उठाए एवं समाधान कराया।

पार्षद दीपक यादव एवं रश्मि यादव का कहना है कि यदि आपको भी अपने वार्ड में किसी प्रकार की समस्या का समाधान करवाना है। तो आप वार्ड न. 42 और 43 की हेल्पलाइन नंबर 8586864243, पर कॉल करके अपनी समस्या लिखवा सकते है। आपकी समस्या का समाधान शीघ्र से शीघ्र करवा दिया जाएगा और उन्होंने बताया कि समस्या लिखवाने का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक है।

दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां की शिष्टाचार मुलाकात, लिया संगठनात्मक मार्गदर्शन

समाचार गेट/नरवीर यादव

नई दिल्ली। नई दिल्ली प्रवास पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, कुशल संगठनकर्ता व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया व राजस्थान-हरियाणा के विकास के मुद्दों व संगठन के विषयों पर पर सकारात्मक विस्तृत बातचीत हुई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सांसद व त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देव, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न विकास के मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई।

वहीं दो दिन पहले सतीश पूनियां की भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा राजस्थान प्रभारी राधामोहन अग्रवाल से प्रदेश के विकास व संगठनात्मक विषयों पर सार्थक बातचीत हुई।

पार्षद पवन यादव ने जारी किया वार्ड 40 के लिए हेल्पलाइन नंबर

समाचार गेट/संजय शर्मा

बल्लभगढ। आपकी समस्या का समाधान, बस एक कॉल की दूरी पर यह कहना है वार्ड 40 के पार्षद पवन यादव का, उन्होंने बताया कि वार्ड 40 की जनता की सुविधा हेतु एक विशेष हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि अब आपकी समस्याओं के समाधान को और भी तेज़ और प्रभावी बना रहे हैं। पार्षद पवन यादव ने बताया कि जिस किसी को भी वार्ड 40 में किसी भी प्रकार की समस्या है वह हेल्पलाइन नंबर: 8586094040 पर सुबह से शाम तक पर किसी समय कॉल कर सकते हैं। अब तक इस हेल्पलाइन नंबर के जरिए स्ट्रीट लाइट, सीवर, सफाई जैसी समस्याओं का त्वरित समाधान एंव कॉल के माध्यम से तत्काल सहायता दी जा रही है और यह वार्ड 40 के सभी निवासियों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क है। पार्षद पवन यादव ने बताया कि यदि समस्या फोन पर हल न हो, तो कार्यालय से समाधान सुनिश्चित होगा। स्वच्छता के लिए स्वच्छता अभियान, एक सेल्फी, तुरंत समाधान के तहत वार्ड में कहीं भी गंदगी का ढेर दिखाई दे तो सेल्फी व्हाट्सएप भेजें 24 घंटे में समाधान होगा।

बसई चौक पर झोंपडिय़ों में आग से जलीं 200 झोपड़ियां

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। शनिवार की सुबह छह बजे यहां बसई चौक के पास झोंपडिय़ों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग करीब 200 झोंपडिय़ों में फैल गई। इनमें रह रहे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। उनका सारा सामान आग से जलकर राख हो गया। फायर अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बसई चौक के पास करीब 200 झोंपडिय़ां बनी हुई हैं। इनमें काफी संख्या में लोग रह रहे हैं। उन्होंने झोंपडिय़ों के अंदर ही कपड़े की दुकानें भी बना रखी हैं। शनिवार की सुबह करीब छह बजे इन झोंपडिय़ों में अचानक आग लग गई। जब तक लोग संभल पाते, आगे सभी झोंपडिय़ों में फैल गई। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। सूचना पाकर विभिन्न दमकल केंद्रों से गाडिय़ां आग बुझाने के लिए पहुंची। एक के बाद एक गई गाडिय़ों से पानी की बौछारें डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने में सफलता मिली। इस आग में लोगों का सारा घरेलू सामान और उनके द्वारा बेचे जाने वाले कपड़े भी जलकर राख हो गए। अपनी मेहनत, मजदूरी का सामान जलते देख महिलाएं, बच्चे बिलखते नजर आए।

उत्तर प्रदेश समाचार

पैर छूकर माफी मांगी, फिर बुआ-दादी को मार डाला

मुरादाबाद में आरोपी का कबूलनामा- मेरे ही पैसे मुझे नहीं दे रही थीं

मुरादाबादा। में बुआ और दादी की हत्या करने वाले साहिल उर्फ सोनू ने हथौड़े से पहला वार अपनी बुआ वंदना शर्मा पर किया। वह चीखने लगीं तो उनके बाल पकड़कर घसीटते हुए कमरे से बाहर ले गया। इसके बाद सिर पर एक के बाद एक छह वार किए। बेटी को बचाने के लिए सरोज अपने पोते के सामने गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन उसे रहम नहीं आया। बाद में आरोपी ने हथौड़े से एक वार अपनी दादी के सिर पर किया, जिससे उनकी भी मौत हो गई। पुलिस की पूछताछ में आरोपी साहिल ने यह बातें कुबूल कीं। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तो फर्श पर खून ही खून फैला था। वंदना शर्मा के सिर के बाल टूटे मिले, जिसे फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए एकत्र किया। मौके पर संघर्ष के निशान भी मिले। आरोपी साहिल ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह कई दिन से दादी और बुआ से रुपये मांग कर रहा था, लेकिन वह पैसे देने से मना कर रही थीं। इसके बाद ही उसने हत्या की साजिश रची। आरोपी ने पहले से ही हथौड़ा ढूंढकर रख लिया था। शुक्रवार सुबह छह बजे आरोपी उठा और उसने देखा कि दादी और बुआ अपने कमरे में हैं। दोनों को जगाया और फिर रुपये मांगे। जैसे ही मां-बेटी ने रुपये देने से इन्कार किया तुरंत आरोपी ने पहला वार अपने बुआ के सिर पर किया। उनके मुंह से खून बहने लगा।

इसके बाद वह बुआ को घसीटकर कमरे के बाहर लाया। इससे उनके सिर के बाल भी टूट गए। फिर आरोपी ने दोनों की हत्या कर दी। सरोज शर्मा के मकान के दरवाजे दो रास्तों पर खुलते हैं। हत्या के बाद आरोपी ने एक दरवाजे को अंदर से बंद किया और दूसरे दरवाजे को बाहर से बंद कर भाग निकला। आरोपी साहिल की बुआ सीमा की बेटी पूजा की शादी बरेली में हुई है। वह बरेली के बड़ी बमनपुरी में रहती हैं। हत्या के बाद साहिल बरेली पहुंच गया और अपनी बहन पूजा व बहनोई सुबोध को बताया कि वह दादी और बुआ की हत्या करके आया है। यह सुनकर दोनों सहम गए। सुबोध ने पुलिस को बताया कि उन्हें कुछ देर तो समझ में ही नहीं आया कि क्या करें। इसके बाद उन्होंने किसी तरह साहिल को मुरादाबाद चलने के लिए मनाया। फिर सुबोध ने गाजियाबाद स्थित अपनी ससुराल में फोन कर अपने साले विशाल को पूरी जानकारी दी। फिर साहिल के साथ मुरादाबाद आ गए और उसे थाने लेकर पहुंचे।आरोपी साहिल उर्फ सोनू आसपास के लोगों से कोई वास्ता नहीं रखता था। वह अक्सर दोस्तों के साथ देर रात तक घूमता रहता था। इस कारण दारी और बुआ उससे परेशान थीं। वह दोनों चाहती थीं कि वह गाजियाबाद जाकर वहां काम करे।दादी और बुआ की हत्या के आरोपी साहिल के खिलाफ उसकी बुआ सीमा के बेटे विशाल ने मुकदमा दर्ज कराया है। गाजियाबाद की सिंचाई कॉलोनी शास्त्री नगर निवासी विशाल की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुरादाबाद के सिविल लाइंस के आजाद नगर की रेलवे हरथला कॉलोनी में शुक्रवार सुबह करीब छह बजे ऑटो खरीदने के लिए रुपये न देने से नाराज युवक ने हथौड़े से सिर कूचकर अपनी दादी सरोज शर्मा (90) और बुआ वंदना शर्मा (60) की हत्या कर दी। आरोपी साहिल शर्मा उर्फ सोनू अपनी दादी और बुआ के साथ ही रहता था। हत्या के बाद दोपहर में आरोपी ने अपने रिश्तेदारों के साथ सिविल लाइंस थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस के अनुसार सरोज शर्मा के पति ओम प्रकाश शर्मा रेलवे में लोको पायलट थे। उनकी मौत हो चुकी है। वह अपने दो बेटियों सीमा और संगीता की शादी गाजियाबाद में कर चुकी थीं, जबकि तीसरी अविवाहित बेटी वंदना उनके साथ ही रहती थीं। सरोज अपने बेटे नरेश शर्मा और बहू बीना की मौत के बाद पोते साहिल शर्मा (32) का पालन पोषण कर रही थीं। रेलवे हरथला कॉलोनी स्थित मकान में तीनों रह रहे थे। साहिल कोई काम नहीं करता था। सरोज को मिलने वाले पेंशन के 35 हजार रुपये के सहारे ही घर का खर्च चल रहा था। साहिल की मां को उसके मायके से एक प्लॉट मिला था। कुछ दिन पहले प्लॉट बेचने के रुपये मिले थे। यह रुपये वंदना शर्मा के पास थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी ऑटो खरीदने के लिए कई दिन से अपनी दादी और बुआ से रुपये मांग रहा था। बृहस्पतिवार रात को भी पैसों को लेकर विवाद भी हुआ था। सरोज और वंदना एक कमरे में सो रही थीं, जबकि साहिल दूसरे कमरे में था।

संक्षिप्त डायरी

बुलंदशहर में दो नाबालिग बच्चों से कुकर्म

बुलंदशहर। में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। थाना चोला क्षेत्र में तीन युवकों ने दो नाबालिग बच्चों के साथ कुकर्म किया। पीड़ित बच्चों की उम्र 11 और 13 वर्ष है। घटना 22 मार्च को दोपहर करीब 1 बजे की है। दोनों बच्चे गांव में खेल रहे थे। आरोपी युवक खाने-पीने का सामान देने का लालच देकर उन्हें तेजवीर सिंह के निमार्णाधीन मकान में ले गए। यह मकान खाली पड़ा था। आरोपियों ने बच्चों को कमरे में बंद कर दिया। उन्होंने बच्चों को डराया-धमकाया और मारपीट की। बच्चों के चिल्लाने पर उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। आरोपियों ने बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने बच्चों को यह भी कहा कि उनकी वीडियो बना ली है। डर के कारण बच्चों ने किसी को कुछ नहीं बताया। वे खाना-पीना कम कर बंद कमरे में रहने लगे। परिजनों के पूछने पर बच्चों ने रोते हुए पूरी घटना बताई। पीड़ित पक्ष जब आरोपियों के घर शिकायत करने गए तो उन्हें गाली-गलौज कर भगा दिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

शिक्षा का भविष्य विषय पर सेमिनार

अनूपशहर। डीपीबीएस कॉलेज, अनुपशहर में 'द फ्यूचर ऑफ एजुकेशन इन इंडियाः इंट्रडिसीप्लिनरी परसपेक्टिवस' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। राष्ट्रीय सेमिनार के द्वितीय दिन सहायक सचिव डॉ. तरुण श्रीवास्तव ने सेमिनार के उद्देश्यों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा ने नई शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 भविष्य में शिक्षा जगत के लिए आत्मा के समान कार्य करेगी। केजीके कॉलेज, मुरादाबाद के प्राचार्य प्रो. सुनील चौधरी ने बदलते परिवेश में शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। एमजीएम पीजी कॉलेज, संभल के प्राचार्य प्रो. योगेंद्र सिंह ने भूत और वर्तमान की शिक्षा को समझने पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में कई शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इंडियन एसोसिएशन म्यूजिक थेरेपी की सीईओ मिस सुम्बल जेहरा ने म्यूजिक थेरेपी द्वारा तनाव प्रबंधन पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जी के सिंह ने आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल के विकास पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रो. यू के झा, प्रो. आर के अग्रवाल, प्रो. चंद्रावती सहित अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

अलविदा जुमा, ईद की नमाज पर पुलिस अलर्ट

मेरठ। में अलविदा जुमा और ईद की नमाज को लेकर पुलिस, प्रशासन अलर्ट है। पुलिस ने इसके लिए गाइडलाइन जारी की है। पुलिस ने सख्ती बरतते हुए कहा है कि सड़क पर नमाज पढ़ने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जब्त कर कैंसिल किया जाएगा।एडीजी ने कहा कि सड़क पर नमाज न पढ़ी जाए इसके लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है। जोन के सभी जिलों में पुलिस, प्रशासन अलर्ट है। पीस कमेटियों की बैठकें की गई हैं। साथ ही मस्जिद प्रबंध समितियों के लोगो से भी बात हो चुकी है। सभी को दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिन मस्जिदों में ज्यादा भीड़ होती है वहां दो शिफ्टों में नमाज कराई जाए। या फिर उस मस्जिद की भीड़ को आसपास की किसी दूसरी मस्जिद में शिफ्ट कर दिया जाए। ताकि मस्जिद में बाहर नमाज न पढ़ी जाए। हर हाल में मस्जिद के अंदर ही नमाज पढ़ी जाए। लाइसेंस, पासपोर्ट होगा निरस्तएडीजी ने कहा जो लोग सड़क पर नमाज पढ़ेंगे या नियमों का पालन नहीं करेगे उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पिछले साल भी कुछ स्थानों पर ऐसी स्थिति सामने आई थी जिसमें सड़क पर नमाज पढ़ी गई थी। उनके खिलाफ एक्शन हुआ था इसे आप सभी जानते हैं। उसी के तहत इस बार भी पूरी कड़ी निगरानी की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर है। किसी ने भ्रामक जानकारी फैलाई तो उसके खिलाफ एक्शन होगा। अगर किसी पर मुकदमा दर्ज होता है तो स्वतः उसका पासपोर्ट, लाइसेंस जब्त होकर निरस्त होता है।

गौशाला पर अखिलेश के बयान से हिंदू संगठन नाराज

हाथरस। के सासनी गेट चौराहे पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला फूंका। यह विरोध प्रदर्शन अखिलेश यादव के हालिया बयान के खिलाफ किया गया। अखिलेश ने कहा था कि भाजपा वालों को दुर्गंध पसंद है और इसलिए वह गौशाला बनवा रहे हैं। हिंदूवादी नेताओं ने कहा कि अखिलेश यादव ने गौ माता का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश लगातार सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। नेताओं ने यह भी याद दिलाया कि हाल ही में सपा के एक सांसद ने राणा सांगा को गद्दार कहा था। इस मामले में भी कार्रवाई होनी चाहिए।प्रदर्शन में बजरंग दल के विभाग संयोजक हर्षित गौड़, कैलाश कूलवाल, सुरेश अग्रवाल, गोपाल कृष्ण शर्मा, विवेक चौधरी, विवेक शर्मा, देवेश ठाकुर, किशन भारती, चिंटू यादव, राहुल चौधरी समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और अखिलेश यादव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

रेप केस में आसाराम को मिली अंतरिम जमानत

शाहजहांपुर। रेप के दोषी आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिल गई है। शाहजहांपुर में पीड़िता के पिता ने अपने वकील और आसाराम का मेडिकल कराने वाले डाक्टरों पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा-आपत्ति लगाने के लिए वकील से कहा कि लेकिन वो टहलाते रहे, उनके वकील प्रलोभन में आ गए हैं। पिता ने कहा- लंबी लड़ाई लड़ने के बाद अब परिवार में मायूसी है। उन्होंने कहा कि अगला कदम करीबियों से बात करके उठाएंगे। आसाराम पर रेप का केस दर्ज कराने वाली नाबालिग पीड़िता शाहजहांपुर जिले की रहने वाली है। आसाराम पैरोल पर बाहर थे, जिसको को कुछ ही दिनों में फिर से जेल जाना था। इस बीच आसाराम दोबारा जमानत पाने के लिए कोशिश में लगा था। इधर उसकी फिर से जमानत अर्जी पर आपत्ति लगाने के लिए पीड़िता के पिता लगातार अपने वकील से संपर्क करते रहे। लेकिन उनके वकील ने आपत्ति दाखिल नहीं की। पीड़िता के पिता को जानकारी मिली कि आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिल गई है। जिसके बाद उनके परिवार में

मायूसी छा गई। पीड़िता के पिता ने बताया- हमने अपने वकील से अपील करने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने अपील नहीं की। हम वकील के भरोसे बैठे रहे। सभी कागज भी दस्तखत कराकर भेज दिए थे। उनको 15 दिन पहले कागज मिल भी गए थे। फिर वकील टहलाते रहे। पहले कहा कि अपील कर दी है फिर कहा कि अब अपील वापस लेना पड़ेगी। वकील आसाराम के प्रभाव में है। हमारे अनुसार काम नहीं कर रहा है। पीड़िता के पिता ने कहा- आसाराम जब पैरोल पर बाहर आया था तभी उनके समर्थकों ने कहे दिया कि आसाराम अब जेल नही जाएंगे। उन लोगों की बात अब सत्य साबित हो रही है। आसाराम अपनी मनमर्जी के फैसले ले रहा है। पहले इसे सात दिन की पैरोल मिली फिर पांच दिन बढ़वा ली। उसके बाद आसाराम ने ढाई महीने की अंतरिम जमानत ले ली और अब तीन महीने की। ये ऐसे ही करता रहेगा। अब ये बाहर रहेगा अंदर नही जाएगा। पैसे वाले का बोलबाला है। मेरे वकील भी मेरे अनुसार पैरवी नहीं करते वो भी हमसे झूठ बोलते हैं। हम अपने वकील से दो महीने से कहे रहे हैं ये कोर्ट की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है। मेरी हाइकोर्ट में अपील कर दीजिए। लेकिन वकील ने अपील नही की। वकील बहानेबाजी करता रहा। अब हम बहुत निराश और हताश हैं। कोर्ट इसके ऊपर मेहरबान आगे अब क्या करेंगे लग रहा है कि पैसे का बोलबाला है। अब उसी के अनुसार चलेगा। कोर्ट ने तो फैसला सुनाया था कि उसको आखिरी सांस तक जेल में रहना है। लेकिन कोर्ट इसके ऊपर मेहरबान हो गई। इसको कोई बीमारी नही है ये तो सिर्फ बीमारियों का बहाना कर रहा है। 2015 में भी आसाराम ने बीमारियों का बहाना बनाया था। बहुत सारी बीमारियों के इसके पर्चे बनवा लिए। वो कोर्ट को पेश किए। तब सुप्रीम कोर्ट ने आठ डाक्टर का पैनल बनाने के निर्देश दिए थे। तब एम्स के आठ डाक्टर के पैनल ने रिपोर्ट दी थी। जिसमे कहा गया था कि इसको कोई बिमारी नही है। छोटी मोटी बीमारियां बताई थीं जो ठीक हो सकती है। तभी इसकी बेल खारिज हुई थी। तब उसकी चाल नहीं चल पाई, लेकिन अब उसकी चाल चल गई है। अब जैसा ये चाहता है वैसे फैसले लेगा। कभी भी मेरे परिवार पर अटैक करा सकता है आसाराम पिता ने कहा कि अब हमे कहीं से उम्मीद की किरण नजर नही आती है। हमारे परिवार को तो खतरा है। ये कभी भी मेरे परिवार पर अटैक करा सकता है। हमारे परिवार को खत्म करा सकता है। अब हम सिर्फ भगवान के भरोसे है। आसाराम अपनी मनमर्जी से डाक्टरों से बनवाया रिपोर्ट उन्होंने कहा- आसाराम को जमानत मिली है। वो इस केस और भी प्रभावित करेगा। अपनी मनमर्जी की डाक्टरों से रिपोर्ट बनवाकर कोर्ट लगा देता है और कोर्ट मान लेती है। आसाराम कभी इंदौर, उज्जैन अगर कोई बीमार आदमी होता तो इतना सफर थोड़ी करता।

रोटरी उपाध्यक्ष ने लौटाया खोया पर्स, दंपति की खुशियां हुई दोगुनी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कहते हैं कि इंसानियत अभी जिंदा है। ऐसी दरिया दिली का परिचय रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष विजय गुप्ता ने प्रस्तुत किया। उन्होंने ईद का बाजार करने आए व्यक्ति का खोया पर्स लौटाकर कर दंपति की खुशियां दोगुनी कर दी।

तहसील क्षेत्र के कुरहवा अहिरौली बाजार निवासी सिराजुद्दीन आलम पत्नी के साथ ईद की खरीदारी करने नगर के गोला बाजार आए थे। जहां उनका पर्स गिर गया। पर्स में 25,000 नगदी, आधार कार्ड, जरूरी विदेशी दस्तावेज और तीन एटीएम कार्ड थे। सिराजुद्दीन जो गल्फ कंट्री में नौकरी करते हैं, अपनी पत्नी के साथ ईद की खरीदारी कर रहे थे।

संयोगवश पर्स रोटरी क्लब कुशीनगर के उपाध्यक्ष विजय गुप्ता को मिला। उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्य का परिचय देते हुए सिराजुद्दीन को वापस कर दिया। अपना खोया हुआ पर्स वापस पाकर खुश सिराजुद्दीन ने श्री गुप्ता को गले लगाकर आभार व्यक्त किया और उनकी ईमानदारी की सराहना की।

आजम खान से जेल में मिलने पहुंचे बेटे अब्दुल्ला

सीतापुर। जेल में बंद पिता आजम खान से बेटे अब्दुल्ला ने 19 महीने बाद मुलाकात की। बेटे ने 1 घंटे 42 मिनट तक उनसे बातचीत की । उन्हें ईद का सामान (नए कपड़े और मिठाइयां) दिया। जेल से बाहर निकलने पर मीडिया कर्मियों ने अब्दुल्ला से पूछा- क्या आप कपड़े और खाने-पीने का सामान लेकर आए थे? जवाब में उन्होंने सिर्फ ईद की बधाई दी और कार में बैठकर चले गए। शनिवार दोपहर 12 बजे अब्दुल्ला निजी कार से सीतापुर जेल पहुंचे। उन्होंने विजिटर रजिस्टर में साइन किया। इसके बाद उन्हें जेल में एंट्री दी गई। अब्दुल्ला के साथ रामपुर के पूर्व विधायक यूसुफ मलिक और सपा नेता मोहम्मद सलीम भी थे। इससे पहले, 1 महीने पहले पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अदीब ने आजम खान से

मुलाकात की थी।25 फरवरी को पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम हरदोई जेल से रिहा हुए थे। वह दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में 16 महीने से जेल में बंद थे। अक्टूबर, 2023 में कोर्ट ने उन्हें 7 साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें हरदोई जेल भेज दिया गया था। 19 महीने से जेल में हैं आजम आजम खान 19 महीने से सीतापुर की जेल में बंद हैं। उन पर जमीन कब्जाने से लेकर बकरी और किताब चोरी तक

विदाई एक सास्वत प्रक्रिया है जो सेवा में आता है: विजयपाल नारायण त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर । विदाई एक सास्वत प्रक्रिया है जो सेवा में आता है वह उसी दिन से जानता है कि एक दिन सेवा निवृत्ति भी लेनी है। विभिन्न दायित्व से विदा लेने वाले सभी को उनके उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। उक्त बातें राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कसया द्वारा बीआरसी कसया के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित विदाई व सम्मान समारोह को संबंधित करते हुए मुख्यअतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी कसया विजयपाल नारायण त्रिपाठी ने शनिवार को कहा। एआरपी अजय शुक्ल, अजेय कुशवाहा, अमीरुल हक, मनोज चतुर्वेदी, आदित्य त्रिपाठी व इस वर्ष सेवानिवृ▪हो रही शिक्षका पुष्पा मिश्रा को साल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष

अविनाश शुक्ल ने कहा शिक्षक कभी सेवानिवृ▪नहीं होता। विदाई एक नई शुरूआत है। अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मण्डल अध्यक्ष बेसिक राजेश शुक्ल ने कहा कि शिक्षक आजीवन समाज की दिशा व दशा का निर्धारण करता है। अपने दायित्वों का बोध है। राष्ट्र की प्रगति के लिए स्वच्छ व स्वस्थ समाज का निर्माण शिक्षक करता है। सेवानिवृत्ति सेवाकाल की प्रक्रिया है जो निरंतर चलती रहती है। शिक्षक राजीव नयन द्विवेदी व एआरपी आदि ने सम्बोधित किया। संचालन संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नागेन्द्र तिवारी ने किया। इस दौरान ब्लाक मंत्री शैलेश कुमार, उपाध्यक्ष वृजनारायण गौड़, प्रवक्त कृष्ण मोहन, अमरप्रकाश पाण्डेय, संजय यादव, हरिन्द्र चौरसिया, कृपाशंकर तिवारी, महेश कर्णधार,रत्नेश तिवारी, सुनिल गुप्ता,दुर्गेश यादव, भगवन्त सिंह, मनोज चतुर्वेदी, अमित पाण्डेय, दिनेश प्रसाद, मोना सिंह, गीतांजलि, कविता दूबे, अंजना पाण्डेय, निशा ओझा, रविंद्रनाथ टैगोर, विनोद प्रसाद, निशा निगम, प्रियंका श्रीवास्तव, निक्की पाण्डेय, ज्योति गुप्ता, चंद्रकला पाण्डेय, किरन यादव, निशान्त पाण्डेय, अरुण प्रताप, मृत्युंजय मिश्र मौजूद रहे।

जनसहभागिता से होगा टीबी का उन्मूलन - डीएम विशाल भारद्वाज

संवाददाता

कुशीनगर। विश्व क्षयरोग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त पंचायतों के ग्राम प्रधानों, निक्षय मित्रों को सम्मानित किया गया। साथ ही पांच टीबी रोगियों में पोटली की पोटली वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने कहा कि जनसहभागिता से ही होगा टीबी का उन्मूलन। उन्होंने ने कहा कि आज जितने भी ग्राम पंचायतो के प्रधानगण टीबी मुक्त पंचायत के लिये सम्मानित किये जा रहे है उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि अब उन्हें इस बात का ध्यान रखना है कि कोई भी व्यक्ति बीमार होता है तो उसे तत्काल विभाग को सुचित करें ताकि कोई नया मरीज न बन पाये। विशिष्ट अतिथि सीडीओ गुंजन द्विवेदी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के जनजागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पोषण पोटली देकर हम टीबी से लड़ रहे व्यक्तियों के स्वस्थ्य होने में सहयोग करे तथा उनका हौसला बढ़ाये। अध्यक्षता मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अल्पना रानी गुप्ता, अतिथियों का स्वागत जिलाक्षयरोग अधिकारी डॉ एस.एन.त्रिपाठी ने किया। संचालन शिक्षक अनूप मिश्र ने किया।आभार ज्ञापन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में 52 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को गाँधी प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र

देकर सम्मानित किया गया।निक्षय मित्र के रूप में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बीएसए डॉ रामजियावन मौर्या, डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, जिविनि श्रवण गुप्ता, आईएमए के डॉ अजय शुक्ला, अवध सुगर मिल हाटा के डॉ नवनीत त्यागी, प्रवासी मदद फाउंडेशन के अविनाश कुमार पिंटू को जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पाँच टीबी रोगियों को गोद लेने वालों में डॉ रविन्द्र प्रसाद मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अभय कुमार सुमन उपायुक्त उद्योग, सुभाष चन्द्र जिला आबकारी अधिकारी, यशवंत कुमार गौतम सहायक अभियंता नलकूप, भरतलाल गौड़ जिला अल्पसंख्यक अधिकारी द्वारा प्रोटीनयुक्त पोषण पोटली दिया गया। इस दौरान डीपीओ अनुपम कुमार मिश्र, जिला पीपीएम सन्यवक नितेश राय, जिला टीबी एचआईबी समन्वयक चंद्रशेखर यादव, विशाल जयसवाल, विवेक यादव, अमित राय, सन्दीप मौर्या, शाहिद अंसारी, सन्तोष यादव, सत्येन्द्र पांडेय, आदित्य तिवारी, संजय द्विवेदी, धनन्जय पांडेय, अमित श्रीवास्तव, नवीन मिश्र, निशांत मिश्र,राकेश राव, रामप्रकाश गौतम, अशोक यादव, विवेक चौधरी, राकेश सोनकर, सत्येन्द्र कुमार, इसरार अली, विपिन कुमार, करन कुमार, प्रभु, वीरेंद्र, राजा उपस्थित रहे।

संपादकीय

स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियां

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलबधियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलबधि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलबधियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलबधियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है।

नूंह-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए के चौड़ीकरण के लिए राशि आवंटित, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

विधायक आफताब अहमद ने नितिन गडकरी को मांग पत्र लिखने के पश्चात विधान सभा में जोरों से उठाया था मुद्दा

नूंह-अलवर मार्ग पर हजारों लोगों की जा चुकी है जान

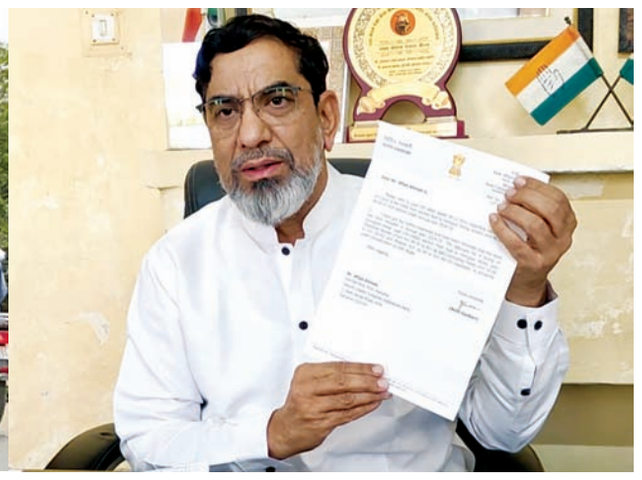

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। आफताब अहमद विधायक कांग्रेस ने कहा कि गुरुग्राम-अलवर राजमार्ग का हमारी कांग्रेस सरकार के समय में राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा मिला था था। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इसको फोरलेन बनाने का एलान भी कर दिया था लेकिन सूबे में सरकार बनी तो पिछले 10 वर्षों में भाजपा की सरकार सिर्फ वायदे करती रही। लेकिन देर से ही सही केंद्र - राज्य सरकार ने अब इसका करीब 400 करोड़ रुपए मंजूर कर दिया है, जिसके लिए हम सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। लंबे समय से चौड़ीकरण की बाट जोह रहे गुरुग्राम - अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए का नूंह से राजस्थान सीमा नौगावां फोरलेन का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में नूंह विधायक आफताब अहमद के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री रणवीर गंगवा ने जानकारी दी। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 248ए के चौड़ीकरण के लिए 400 करोड़ धन राशि आवंटित कर दी गई है और बहुत जल्द इस मार्ग को बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नूंह विधायक आफताब अहमद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की यह सड़क काफी समय से हादसों की जनक बन गई थी। सरकार इसको टरकाए हुए थी। उन्होंने कहा कि बहुत मंत्री आए सीएम आए सबने वादा किया लेकिन जिले की सबसे बड़ी व गंभीर मांग नूंह - अलवर मार्ग चौड़ीकरण को अमलीजामा पहनाने का कार्य नहीं किया। इस मार्ग पर आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो रही हैं। हजारों माताओं के बच्चे इस मार्ग की भेंट चढ़ गए।

विधायक आफताब अहमद ने कहा कि हमने कई बार इस मुद्दे को उठाया और मेवात के लोगों ने प्रदर्शन भी किया फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। विधायक ने कहा कि मैंने इस मार्ग को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी को पत्र लिखा और विधान सभा में भी इस गंभीर मुद्दे को उठाया था। इसके बाद अब मंज़ूरी मिल गई है और अब कहीं ना कहीं इस खूनी मार्ग को चौड़ीकरण करने का रास्ता साफ दिखाई दे रहा है।विधायक आफताब अहमद ने इसके लिए सरकर का धन्यवाद करते हुए शीघ्र कार्य शुरू करने की मांग की। साथ ही इसका।काम आगामी 2 वर्ष में पूरा करने की बात भी कही।

सरकार पर हमलावर विधायक आफ़ताब अहमद नूंह

कांग्रेस विधायक आफताब अहमद भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सदन से लेकर सड़क तक हमलावर हैं। बीते 10 वर्षों के भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने और नफरत फैलाने वाले नफरत भरे भाषणों तथा सोशल मीडिया हैंडलों इत्यादि पर की गई कार्रवाई का सवाल विधानसभा में उठाकर सरकार को घेरने की हर संभव कोशिश की। सत्र के बाद जब आफ़ताब अहमद अपने विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे तो उन्होंने एक बार फिर सरकार को इस मुद्दे पर घेरने की पूरी कोशिश की।

प्रदेश सरकार के द्वारा विधायक आफ़ताब अहमद के सवाल के जवाब में कहा गया कि गुरुग्राम में 40, फरीदाबाद 22, पंचकूला 5, अंबाला 8, यमुनानगर 27, कुरुक्षेत्र 5, करनाल 4, पानीपत 7, कैथल 10, हिसार 9, जींद 9, फतेहाबाद 2, हांसी 12, रेवाड़ी 7, पलवल 19, नारनौल 10, मेवात 46, रोहतक 24, सोनीपत 6, झज्जर 11, भिवानी 14 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने, नफरत फैलाने वाले नफरत भरे भाषणों तथा सोशल मीडिया हैंडलों के खिलाफ अब तक कुल 297 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। सरकार के द्वारा बताया गया है कि पिछले 10 सालों में 472 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 502 सोशल मीडिया हैंडलों के लिंक को इंटरनेट से हटाया गया है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से प्रदेश में बनी है तब से शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि पिछले 10 सालों में किस तरह से नफरत फैलाने वाले लोगों का दायरा बढ़ा है। कुल मिलाकर आफताब अहमद ने हरियाणा प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम करने कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह सवाल सरकार से पूछा था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान आफताब अहमद ने कहा कि समाज में पिछले 10 सालों में आपसी सौहार्द खराब करने की कोशिश हुई है। सरकार की कार्रवाई पर कांग्रेस सवाल उठाती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की कानून व्यवस्था को किसी भी सूरत में बिगड़ना वालों के मंसूबे को कामयाब नहीं होने देगी। आगे भी शांतिपूर्ण माहौल खराब करने पर नफरत फैलाने वाले लोगों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद की जाएगी। आफताब अहमद ने कहा कि 10 वर्ष पहले हरियाणा में इस तरह के हालात नहीं थे। सभी समाज के लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ रहते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों में आपसी दूरियां बढ़ी हैं। जिसमें खासकर गुरुग्राम, मेवात, पलवल, फरीदाबाद जिला आंकड़ों में सबसे आगे दिखते हैं।

टाटा बनाएगी ड्राईविंग ट्रैनिंग सेंटर

ईद उल फितर के अवसर पर मेवातवासियों के लिए अच्छी खबर है। मेवात के लोगों की दशकों पुरानी ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की मांग जल्दी ही पूरी होने जा रही है। आगामी 3 महीने के अंदर टाटा कंपनी ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का नक्शा तैयार करेगी। इसके बाद इस ट्रेनिंग सेंटर के बनने का काम रफ्तार पकड़ेगा। इसके लिए सरकार ने डीसी नूंह तथा फरीदाबाद की जिम्मेदारी भी तय की है। यह ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर सभी सुविधाओं से लैस होगा। स्थानीय कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने इस मांग को मजबूती से विधानसभा सत्र के दौरान उठाया था, जिसके जवाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने यह भरोसा दिलाया है।

आपको बता दें कि नूंह विधानसभा के छपेड़ा गांव में तकरीबन 10 एकड़ भूमि में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर बनाने की मांग पिछले 10 वर्षों से चल रही है। इस ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की घोषणा कांग्रेस की सरकार के समय में हुई थी, लेकिन इसे अमलीजामा नहीं पहनाया गया था। जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई तभी से स्थानीय विधायक आफताब अहमद ने इस मांग को मजबूती से सरकार के सम्मुख रखा लेकिन अब इसका रास्ता पूरी तरह से साफ होता हुआ दिखाई पड़ रहा है। सबसे खास खुशी उन लोगों को होगी जो ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए दूर दराज इलाकों में ट्रेनिंग लेने के लिए जाते थे। इसी साल 2025 में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का काम पूरा होने की उम्मीद जग गई है। आपको बता दे की नूंह जिले में अभी तक भी हैवी वाहनों के लाइसेंस बनवाने के लिए किसी प्रकार का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। इसके अलावा गाड़ियों की पासिंग के लिए भी कोई उचित स्थान नूंह जिले में नहीं है। इस ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर में न केवल ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वाले लोगों को प्रशिक्षण मिलेगा बल्कि गाड़ियों की फिटनेस भी आसानी से होगी। विधायक आफ़ताब अहमद ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उनके द्वारा ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की मांग सदन से लेकर सड़क तक पिछले करीब 10 सालों से उठाई जा रही है। अब बजट सत्र के दौरान सरकार ने ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर छपेड़ा गांव में जल्दी बनाने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से सभी सुविधाओं से लैस ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर नूंह जिले को जल्दी ही मिलेगा।

सबसे खास बात यह है कि हरियाणा का नूंह जिला हैवी वाहन चालकों की संख्या के एतबार से पहले पायदान पर आता है। आंकड़ों के मुताबिक तकरीबन 50000 से अधिक ट्रक चालक इस जिले में है और कम पढ़े - लिखे होने के कारण अधिकतर युवा रोजगार नहीं मिलने के कारण हैवी वाहन चलाने में ही अपने रुचि रखते हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों से उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देर से ही सही अब भाजपा सरकार ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर को लेकर गंभीर दिखाई पड़ रही है।

132 के वी सब-स्टेशन मीरान से बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। सिवानी के अन्तर्गत आने वाले 33 के.वी. पावर हॉउस सिवानी व 33 केवी पावर हाउस खेड़ा से चलने वाले सभी फीडरो की बिजली आपूर्ति दिनांक 30. 3. 2025 रविवार को सुबह 11:00 बजे से शाम 2:00 बजे तक दोनों लाइनें बंद रहेगी क्योंकि खेड़ा पावर हाउस में इरिगेशन डिपार्मेंट की लाइन को कंस्ट्रक्शन विंग भिवानी द्वारा शिफ्ट किया जा रहा है इसलिए इन दोनों बिजली घरों के अन्तर्गत आने वाले सभी औद्योगिक, शहरी, ग्रामीण व कृषि फिडर की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। यह जानकारी एसडीओ जगदीप सिंह व बिजली घर प्रभारी राजेश सूरा ने दी।

अत्यधिक शराब पीने के कारण युवक बिगड़ा दिमागी संतुलन तो युवक ने की जीवनलीला समाप्त

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। शनिवार को चौबीस वर्षीय युवक ने अत्यधिक शराब पीने के कारण दिमागी संतुलन बिगड़ने के चलते जीवनलीला समाप्त करने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं जांच अधिकारी यूसुफ खान ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक युवक के भाई विक्रम ने दी शिकायत में बताया कि उसका भाई चौबीस वर्षीय सचिन पुत्र धर्मपाल निवासी वार्ड दस ने शुक्रवार दिन के समय काफी शराब पी ली थी और वह रात्रि में घर आकर अपने में सोने के लिए चला गया। हर रोज की तरह ज्यादा शराब पीने के कारण परिजनों ने लड़ा धमकाया भी लेकिन जब मध्यरात्रि को उसका दिमाग का संतुलन बिगड़ गया और उसने आनन - फानन में छत के एंगल पर दुपट्टा डालकर फंसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त ली। परिजनों ने सुबह उठकर कमरे में गए तो युवक फांसी के फंदे से झूलता मिला और बाबत घटना की सूचना सिटी थाना में दी। वहीं पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अल आफिया मड़ीखेड़ा अस्पताल भेजा गया। जांच अधिकारी यूसुफ खान ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

नूंह में खनन माफियाओं का आतंक

पीछे चल रही पुलिस, चलते डंपर से पत्थर नीचे गिराए, स्थानीय पुलिस बेखबर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले में एक बार फिर खनन माफियाओं का आतंक देखने को मिला है। जहां बिना नंबर की एक बोलेरो कार से खनन माफियाओं का पीछा कर रहे पुलिस कर्मचारियों के सामने चलते हुए डंपर के ड्राइवर ने बीच रोड़ पर ही पत्थरों को खाली कर पुलिस का रास्ता रोक दिया। इस पूरे घटनाक्रम की विडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। वीडियो फिरोज़पुर झिरका के गांव घाटा बसई का बताया जा रहा है। जहां ये वारदाता हुई वहां एक नहीं बल्कि 6 डंपर खड़े हुए थे। जो सभी पत्थरों से भरे हुए थे। हैरानी की बात यह देखने को मिली कि नूंह में इतनी बड़ी घटना हुई है,जिसकी जानकारी पुलिस को नहीं है। बताया जा रहा है कि पुलिस खनन माफियाओं से अपना चंदा वसूल रही थी, जब डंपर ड्राइवर ने पैसा नहीं दिया तो उसका पीछा पुलिस कर्मचारी उसका पीछा करने लगे।

चार दिन पहले डीसी ने खनन क्षेत्र का किया था निरीक्षण

नूंह में अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के जिला प्रशासन से लेकर पुलिस प्रशासन दावे करता है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। सच्चाई तो यह है कि जिले में अवैध खनन कभी रुका ही नहीं। स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से जमकर अरावली पहाड़ियों को काटकर बेचा गया है। इससे पहले खनन माफिया तावडू के एक डीएसपी को भी कुचलकर मौत के घाट उतार चुके है। उसके बाद भी पुलिस अरावली में जमकर खनन करा रही। हालांकि चार दिन पहले नूंह जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा खनन होने की शिकायत पर पहाड़ों का निरीक्षण कर चुके है। जिसके दो दिन बाद ही यह घटना सामने आई है।

बिना नंबर की कार में आए

पुलिसकर्मी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो के मुताबिक एक बिना नंबर की कार में सवार होकर कुछ पुलिस कर्मचारी खनन माफियाओं का पीछा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ दूर पीछा करने के बाद आगे करीब 6 डंपरों ने रास्ते में खड़े हो गए और एक डंपर ड्राइवर ने गाड़ी का पीछे वाला हिस्सा खोलकर बीच रोड़ पर ही पत्थरों को गिरा दिया। उसी दौरान कार से दो पुलिस कर्मचारी उतरे और डंपर ड्राइवरों के फोटो खींचते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान दोनों पुलिस कर्मचारियों को खनन माफियाओं ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और पथराव करने लगे। आरोपी पुलिस को खदेड़ते हुए डंपरों को भगा ले गए और पुलिस कर्मचारी उनके समाने बेबस नजर आए । वीडियो में एक युवक पुलिस पीटने की बात कह रहा है।

डीएसपी की हत्या के बाद भी नहीं सुधरे हालत

नूंह में वर्ष 2022 जुलाई में खनन माफियाओं द्वारा डंपर से कुचलकर डीएसपी सुरेंद्र सिंह को मौत के घाट उतारा गया था। घटना के बाद खनन को रोकने के लिए जिला प्रशासन से लेकर पुलिस के आलाअधिकारियों ने तमाम दावे किए थे। लेकिन स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से अवैध खनन का खेल खुलकर खेला जा रहा है। सूत्रों की माने तो फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस द्वारा अवैध खनन में लगे डंपरों के नंबर अपने पास रखे हुए है। जिनसे हर महीने मोटा कमीशन लेकर नाकों को पार कराया जाता है। यही वजह है कि फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र अंतर्गत अरावली की पहाड़ियों में बड़ी-बड़ी खदानें बनी हुई है। फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में अधिकारी भी अवैध खनन के आरोप में 2200 करोड़ रुपए के नुकसान को यहां दर्शाकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराया था। बावजूद इसके माफियाओं ने सुप्रीम कोर्ट और सरकारी आदेशों को चुनौती देते हुए प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे है। जिसमें स्थानीय पुलिस भी अहम भूमिका निभा रही। जब इस मामले में थाना प्रबंधक से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया

सरकार द्वारा आरएच घोषित किए जाने पर जनता को गुमराह ना करें विपक्षी दल

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। भाजपा नेता एवं प्रदेश प्रभारी सोशल मीडिया अल्पसंख्यक हरियाणा नदीम खान ने ईद उल फितर के अवसर पर राजपत्रित छुट्टी को आर एच घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट हो करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा ईद-उल-फितर के अवसर पर आर एच घोषित किया गया है। अब विपक्षी दलों को राजनीति करने का मौका मिल गया है। वह जनता को गुमराह और भड़का रहे हैं। नदीम खान ने विपक्षी दलों को आग्रह करते हुए कहा कि आप अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के चक्कर में जनता को गुमराह और भटक़ाए ना। नदीम खान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्रीमान नायब सिंह सैनी जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश हित और जनहित को देखते हुए वित्तीय समाप्ति वर्ष के 31 मार्च को आर एच घोषित कर जनहित और प्रदेश हित के लिए एक सराहनीय कार्य किया है।

ध्यानार्थः

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

इस्राइली हमलों में दो बच्चों सहित एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में बृहस्पतिवार रात से लेकर सुबह हुए इस्राइली हवाई हमलों में हमास प्रवक्ता और दो बच्चों सहित एक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। हमास अधिकारी बासम नईम ने उत्तरी गाजा के जबालिया क्षेत्र में तंबू में रह रहे हमास प्रवक्ता अब्देल-लतीफ अल-कनौआ के हमले में मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, गाजा शहर के पास एक अन्य हमले में चार बच्चे और उनके माता-पिता मारे गए। बताते चलें कि इस्राइल ने बीते हफ्ते ही हमास के साथ अपना युद्ध विराम खत्म कर दिया था। इसके बाद से ही गाजा पट्टी पर इस्राइली हवाई हमलों में तेजी आ गई है। इसमें सैकड़ों फलस्तीनी मारे गए है। इस्राइल ने चेतावनी दी है कि अगर हमास बंधकों को रिहा नहीं करता, हथियार नहीं डालता और इलाके से नहीं हटता, तो वह अपने सैन्य अभियान को और तेज करेगा।

न्यूयॉर्क ने 1984 सिख दंगा को नरसंहार घोषित किया

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य की सीनेट ने 1984 के सिख दंगे को नरसंहार घोषित किया है। सीनेट सदस्य जेसिका रामोस ने इस प्रस्ताव को पेश किया, जिसमें उन्होंने सिखों के साथ हुई क्रूरता और अन्याय को उजागर किया। रामोस ने सिख समुदाय को न्याय दिलाने के लिए अपना समर्थन दिया है। रामोस ने सदन को बताया कि कैसे 1984 में सिखों को जिंदा जलाया गया, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और हज़ारों निर्दोष लोगों को मार डाला गया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह हिंसा आकस्मिक नहीं थी, बल्कि एक योजनाबद्ध नरसंहार था, जो न केवल दिल्ली में, बल्कि अन्य राज्यों में भी हुआ। रामोस ने उल्लेख किया कि विश्व भर के मानवाधिकार संगठनों, इतिहासकारों और सरकारों ने इसे सिख नरसंहार कहा है। जेसिका रामोस ने अमेरिकी समाज में सिखों के योगदान की सराहना की और बताया कि सिख लगभग 120 वर्षों से अमेरिका का अभिन्न अंग रहे हैं। अमेरिका में सिख समुदाय ने इस फैसले का स्वागत किया है। रंजीत सिंह टुट जैसे प्रमुख व्यापारियों ने इस कदम को सिखों के घावों को भरने का प्रयास बताया है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकवादियों को मार गिरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 26-27 मार्च को खैबर पख्तूनख्वा के विभिन्न क्षेत्रों में चार मुठभेड़ों में कम से कम 11 आतंकवादियों को मार गिराया। सैन्य मीडिया विंग के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकाने को निशाना बनाया, जिसमें पांच आतंकवादी मारे गए। इसके बाद, उसी क्षेत्र में किए गए दूसरे अभियान में तीन और आतंकवादी मारे गए।

पाकिस्तान में अलग-अलग सड़क दुर्घटना में 11 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में गुरुवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें चार महिलाएं भी शामिल हैं। पहली दुर्घटना स्वात और मनसेहरा जिलों की सीमा से लगे शांगला के मलक खेल कोटके में हुई, जहां एक कार सड़क पर फिसलने के कारण नहर में गिर गई। इस दुर्घटना में एक परिवार के छह सदस्य अपनी जान गंवा बैठे। पुलिस ने बताया कि बचाव टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। दूसरी दुर्घटना मलकंद जिले के दरगई तहसील में हुई, जहां एक कार सड़क से उतरकर नहर में गिर गई। इस दुर्घटना में एक परिवार के पांच सदस्य मारे गए।

यूएई ने बड़े पैमाने पर कैदियों को दिया क्षमादान

अबू धाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने रमजान माह में बड़े पैमाने पर कैदियों को माफी देने का एलान किया है। राष्ट्रपति नाहयान ने 1295 कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया है। वहीं प्रधानमंत्री शेख महोम्मद बिन राशिद अल मखतूम ने 1518 कैदियों को माफी देने का फैसला किया है। रिहा किए गए कैदियों में से 500 से अधिक भारतीय नागरिक शामिल हैं, जो भारत के साथ यूएई के मजबूत होते संबंधों का सबूत है।

श्रीलंकाई नौसेना ने अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना ने इस द्विपीय देश के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछलियां पकड़ने के आरोप में बृहस्पतिवार को भारत के 11 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौका जब्त कर ली। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये गिरफ्तारियां डेल्फ़्ट द्वीप के उत्तरी समुद्री क्षेत्र में 'विशेष अभियान' के दौरान की गई। बयान में कहा गया कि 11 मछुआरों को कांकेसंथुरई बंदरगाह लाया गया और कानूनी कार्यवाही के लिए उन्हें मैलाडी के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता है। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद विषय है।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी दी: कहा- मुस्लिमों ने चुनाव में मुझे रिकॉर्ड वोट दिया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी मुसलमानों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। ट्रम्प ने कहा कि पिछले चुनाव में रिकार्ड संख्या में मुस्लिम वोटर्स ने उन्हें वोट दिया था। चुनाव से पहले इस पर कोई यकीन नहीं कर पाता। नवंबर में मुस्लिम समुदाय हमारे साथ था। इसके लिए जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, तब तक आपके साथ रहूंगा।

मिडिल ईस्ट में शांति कायम करने पर भी बोले : ट्रम्प ने कहा कि पवित्र रमजान महीने के दौरान हर दिन मुसलमान सुबह से शाम तक उपवास रखते हैं और प्रार्थना करते हैं। फिर ईश्वर को धन्यवाद देते हैं, इफ्तार के साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। आज व्हाइट हाउस में हम यही करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने मजाकिया लहजे में कहा कि अगर आप में से किसी को यह पसंद नहीं आए तो इसकी शिकायत न करें। ट्रम्प ने मिडिल ईस्ट में शांति कायम करने के अपनी कोशिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां पर उनकी कोशिशों के बाद ही शांति कायम हुई।

व्हाइट हाउस में 120 साल पहले मनी थी पहली बार इफ्तार पार्टी : रिपोर्ट्स के मुताबिक व्हाइट हाउस में पहली बार इफ्तार पार्टी दिसंबर 1805 में आयोजित की गई थी। यह आयोजन तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन ने ट्यूनीशिया के राजदूत सिदी सुलैमान मेली के सम्मान में किया गया था। हालांकि इसके बाद फिर ये लंबे समय तक बंद रहा। इसके बाद हिलेरी क्लिंटन ने 1996 में व्हाइट हाउस में पहली आधिकारिक ईद-उल-फितर सेलिब्रेशन की मेजबानी की थी। यह आयोजन मुस्लिम समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम था। हालांकि यह इफ्तार पार्टी ईद के खत्म होने के बाद हुई थी।

2001 हमले के बाद व्हाइट हाउस में मनी इफ्तार पार्टी : साल 2001 में व्हाइट हाउस में पहली बार रमजान के महीने में इफ्तार पार्टी का आयोजन हुआ था। तब जॉर्ज बुश राष्ट्रपति थे। अमेरिका में 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला हुआ था। इसमें 3,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। दुनियाभर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत बढ़ गई थी। ठीक ऐसे वक्त में बुश ने व्हाइट हाउस में इफ्तार डिनर का आयोजन किया। व्हाइट हाउस में नियमित तौर पर इफ्तार पार्टी का आयोजन बराक ओबामा के कार्यकाल में 2009 से शुरू हुआ। ओबामा ने 2009 से 2016 तक हर साल इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। हालांकि ट्रम्प ने इस परंपरा को छोड़ दिया। साल 2017 में पद संभालने के बाद उन्होंने इसका आयोजन नहीं किया। हालांकि एक साल बाद 2018 में व्हाइट हाउस में फिर से इफ्तार पार्टी का आयोजन हुआ। ट्रम्प ने 2019 में भी इफ्तार पार्टी की दावत दी थी। लेकिन इसके बाद कोरोना महामारी की वजह से इफ्तार पार्टी के आयोजन पर रोक लग गई। इस साल यह तीसरा मौका था, जब ट्रम्प ने इफ्तार पार्टी पर दावत दी।

इमरान खान ने बलूचिस्तान और विदेश नीति पर शहबाज को घेरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बलूचिस्तान के बिगड़ते हालात, विदेश नीति और न्यायपालिका पर पाकिस्तान की शहबाज सरकार को आड़े हाथों लिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सुप्रीमो ने कहा, पाकिस्तान की समस्याओं का समाधान केवल वास्तविक तौर से निर्वाचित जनप्रतिनिधि से ही हो सकता है, न कि जबरदस्ती या थोपी गई सरकार के जरिए। खान ने बलूचिस्तान में बढ़ते आतंकवाद पर गहरी फ्रिक जताते हुए कहा कि चुनावों में धांधली के जरिये लाई गई एक अवैध सरकार वहां के मुद्दों को कैसे हल कर सकती है? उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने और गैरकानूनी गिरफ्तारियों पर खासी नाराजगी जताते हुए कहा कि बलूचिस्तान की समस्याओं को केवल तब ही सुलझाया जा सकता है जब असली जनप्रतिनिधियों को फैसले लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए और उनकी बात सुनी जाए। एजेंसी बलोचों को लेकर सरकार को चेताया खान ने शहबाज सरकार को कठपुतली करार दिया और चेताया कि बलोचों की बात नहीं सुनी गई तो आगामी समय में हालात और खराब होंगे। खान ने विदेश नीति में सरकार की नाकामी पर सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान की अफगानिस्तान के साथ 2,200 किमी लंबी सीमा है और वहां अमन-चैन सिर्फ बातचीत से कायम हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि उनके कार्यकाल में, अफगान सरकार से तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद,उन्होंने सीधी बातचीत की और आतंकवाद को खत्म करने में कामयाबी पाई। खान ने 26वें संविधान संशोधन की आलोचना करते हुए कहा कि इससे पाकिस्तान की न्यायपालिका कमजोर हुई है। उन्होंने अपने कानूनी मामलों में हो रही देरी का उदाहरण देते हुए कहा कि 9 मई के मामलों में उनकी जमानत की सुनवाई महीनों से टल रही है।

पाकिस्तान की जेल में भारतीय मछुआरे की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची स्थित मलीर जेल में भारतीय मछुआरे ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक जेल अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जेल अधीक्षक अरशद हुसैन ने 'पीटीआई' को बताया, ''गौरव राम आनंद ने मंगलवार रात उस बैरक के शौचालय में रस्सी से फंदा लगा लिया, जहां भारतीय मछुआरों को रखा जाता है। जेल अधीक्षक के अनुसार, मंगलवार रात करीब ढाई बजे जेल के चिकित्सकों ने आनंद को मृत घोषित कर दिया और उसके शव को ईधी ट्रस्ट के शवगृह में रखवाया है, जहां अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव उसके परिजन को सौंप दिया जाएगा। आनंद को पाकिस्तान के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद फरवरी 2022 से वह मलीर जेल में बंद था। पाकिस्तान और भारत की सरकारें सद्भावना के तौर पर नियमित रूप से कैदियों, ज़्यादातर ग़रीब मछुआरों की अदला-बदली करती रही हैं। फरवरी 2022 में मलीर जेल से रिहा होने के बाद भारतीय मछुआरों को वाघा सीमा पर भारतीय प्राधिकारियों को सौंप दिया गया था। हुसैन ने कहा कि जेल में सजा काट रहे अधिकांश भारतीय मछुआरे गुजरात के गिर सोमनाथ क्षेत्र के हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव तीन मई को, बढ़ती महंगाई और आवास की कमी होगा बड़ा मुद्दा

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। यहां तीन मई को आम चुनाव होंगे। चुनाव में पीएम एंथनी अल्बानीज सरकार दूसरी बार तीन साल के कार्यकाल के लिए संघर्ष करेगी। वहीं बढ़ती महंगाई और आवास की कमी चुनाव में बड़ा मुद्दा होगा। चुनाव की तारीखों का एलान होने से पहले पीएम एंथनी अल्बानीज ने गर्वनर जनरल सैम मोस्टिन से मुलाकात की। इसके बाद संसद भवन में तारीख की घोषणा की। अल्बानीज ने कहा कि पिछले कुछ सालों में दुनिया ने ऑस्ट्रेलिया पर बहुत कुछ फेंका है। अनिश्चित समय में हम यह तय नहीं कर सकते कि हमें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन हम यह तय कर सकते हैं कि हम कैसे जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने वैश्विक चुनौतियों का सामना ऑस्ट्रेलियाई तरीके से करने का विकल्प चुना है। भविष्य के लिए निर्माण करते हुए जीवन-यापन की लागत के दबाव में लोगों की मदद करना।

विपक्षी गठबंधन को जीत की उम्मीद : लोगों को उम्मीद है इस बार आम चुनाव में विपक्षी नेता पीटर डटन के रूढ़िवादी गठबंधन को प्रतिनिधि सभा में काफी सीटें मिलेंगीं। मौजूदा लेबर पार्टी के पास प्रतिनिधि सभा की 151 सीटों में से केवल 77 सीटें हैं। ग्रीन्स पार्टी के नेता एडम बैंड्ट ने कहा कि अगर लेबर पार्टी हमारी मांगों को पूरा करती है, तो उनके सांसद लेबर अल्पसंख्यक सरकार का समर्थन करेंगे। हमारी मांग नई कोयला और गैस निष्कर्षण परियोजनाओं पर

प्रतिबंध, सभी के लिए मुफ्त दंत चिकित्सा प्रदान करना और किराये में वृद्धि को सीमित करना है। उन्होंने कहा कि चुनाव में अल्पमत सरकार बनने की संभावना है। यह पीटर डटन को बाहर रखने और लेबर को आवास संकट और जलवायु एवं पर्यावरण संकट पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करने का मौका है।

यह मुद्दे होंगे अहम : ऑस्ट्रेलिया के आम चुनाव में कई मुद्दे अहम होंगे। देश में पिछले चुनाव के बाद से 12 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी हुई है। इससे जीवन-यापन के दबाव में वृद्धि हुई है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने फरवरी में बेंचमार्क नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत घटाकर 4.1 प्रतिशत कर दिया। अल्बानीज ने पांच वर्षों में 1.2 मिलियन घर बनाकर आवास की कमी को कम करने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

वहीं विपक्षी नेता डटन ने आवास के लिए प्रतिस्पर्धा को कम करने का वादा किया है। वह ऑस्ट्रेलियाई लोगों को नए घर खरीदने के लिए डाउन पेमेंट पर अपने अनिवार्य कार्यस्थल पेंशन फंड में बचत खर्च करने की भी अनुमति देगा। दोनों दलों ने 2050 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को शून्य तक कम करने का संकल्प लिया है। लेकिन सरकार कोयले और गैस की जगह सौर पैनल और पवन टर्बाइन सहित नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भर करेगी। जबकि विपक्ष ने सात राज्य-वित्तपोषित परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की बात कही है।

मिस्त्र के करीब सबमरीन डूबने से 6 की मौत: चार की हालत गंभीर, 44 यात्री सवार थे

काहिरा, एजेंसी। मिस्त्र के नजदीक रेड सी में एक टूरिस्ट सबमरीन के डूबने से 6 लोगों की मौत हो गई। मिस्त्र के हर्गहाडा हॉलिडे रिसॉर्ट से एक किलोमीटर दूर हुई इस दुर्घटना में नौ लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से 4 की हालत गंभीर है। सिंदबाद नाम की सबमरीन में बच्चों समेत लगभग 44 यात्री सवार थे। ये सभी यात्री रूस नागरिक थे, करीब 29 लोगों को बचा लिया गया है। आशंका जताई गई है कि पानी के अंदर 65 फीट की गहराई में यह सबमरीन एक चट्टान से टकरा गई। इसके बाद पानी के दबाव की वजह से डूब गई। हालांकि अभी तक कोई स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। 72 फीट की गहराई तक जा सकती है पनडुब्बी घटनास्थल पर लगभग 21 एम्बुलेंस भेजी गई थी। घायलों की हालत देखते हुए उन्हें लोकल हॉस्पिटल में ही एडमिट किया गया। यह पनडुब्बी समुद्र के अंदर कोरल रीफ (प्रवाल भित्ती) और ट्रॉपिकल मछलियों को देखने पहुंची थी। फिनलैंड में डिजाइन की गई पनडुब्बी एक बार में 44 यात्रियों और दो क्रू मेंबर को 72 फीट गहराई तक ले जा सकती है। इसमें बड़े का टिकट 69

डॉलर (6 हजार रुपए) और बच्चों का 33 डॉलर (3 हजार रुपए) था। सबमरीन टूरिज्म के प्रमुख खतरे समुद्र की गहराई बढ़ने के साथ साथ पानी का दबाव भी बढ़ता जाता है। इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए सबमरीन को मजबूत मटेरियल से बनाया जाता है। कई बार पानी के अंदर सबमरीन की बिजली गुल होने, मशीनों में गड़बड़ी और बाढ़ जैसी घटनाओं की वजह हादसे होते हैं। इनसे बचने के लिए सबमरीन को इमरजेंसी सिस्टम से लैस किया जाता है। सबमरीन को पानी के अंदर सटीकता से नेवीगेट करना होता है। कई बार प्राकृतिक या मानव निर्मित मुश्किलों की वजह से हादसे होते हैं। इससे निपटने के लिए हाई क्वालिटी सोनार सिस्टम और अनुभवी क्रू टीम जरूरी है। पिछले साल नाव पलटने से मिस्त्र 3 लोगों की जान गई थी इस पनडुब्बी की ऑपरेटर कंपनी का दावा है कि दुनिया में सिर्फ 14 रियल एंटरटेनमेंट सबमरीन हैं, जिसमें से दो उसके पास है। मिस्त्र में पहले भी इस तरह की घटनाओं की खबरें सामने आती रही हैं। पिछले साल नवंबर में 44 यात्रियों को ले जा रही एक टूरिस्ट नाव मिस्त्र के मार्सा आलम के पास रेड-सी में डूब गई थी।

बीजिंग में मिले मोहम्मद यूनुस और शी जिनपिंग, कर्ज के ब्याज को कम कराने पर हो सकती है बात

बीजिंग, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस इन दिनों चीन दौरे पर हैं। शुक्रवार को मोहम्मद यूनुस और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की राजधानी बीजिंग में मुलाकात हुई। यूनुस चार दिवसीय दौरे पर बुधवार को चीन पहुंचे। बुधवार को मोहम्मद यूनुस ने चीन के हेन्नान प्रांत में बाओ फोरम फॉर एशिया के वार्षिक सम्मेलन में शिरकत की। इसके बाद गुरुवार को बीजिंग पहुंचे, जहां बीजिंग एयरपोर्ट पर चीन के उप-विदेश मंत्री सुन वीडोंग ने यूनुस का औपचारिक स्वागत किया। बांग्लादेश इन दिनों अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यूनुस के चीन दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश की ब्याज दर में कटौती कराने की कोशिश राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात से पहले मोहम्मद यूनुस ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन कर्ज पर ब्याज की दर में कुछ कमी करे, साथ ही यूनुस ने चीन को बांग्लादेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं में निवेश करने के लिए भी आमंत्रित किया। यूनुस ने कहा कि अभी चीन बांग्लादेश के दिए कर्ज पर तीन प्रतिशत का ब्याज लेता है, मोहम्मद यूनुस ने इसे घटाकर 1-2 प्रतिशत करने की मांग की है। गौरतलब है कि जापान, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के बाद चीन बांग्लादेश को कर्ज देने वाला चौथा सबसे बड़ा देनदार है। चीन का बांग्लादेश पर करीब 7.5 अरब डॉलर का कर्ज है। इन क्षेत्रों में

मांगी चीन की मदद मोहम्मद यूनुस ने गारमेंट्स, इलेक्ट्रिक वाहन, हल्की मशीनें, उच्च तकनीकी इलेक्ट्रोनिक उत्पाद, चिप मैन्युफैक्चरिंग और सौर ऊर्जा उद्योग में चीन की मदद भी मांगी। वहीं बाओ फोरम सम्मेलन से इतर मोहम्मद यूनुस ने रूस के उप-प्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद रूस के नेता ने कहा कि उनका देश बांग्लादेश को और अनाज और ऊर्वरकों का निर्यात करने का इच्छुक है। दोनों नेताओं के बीच बांग्लादेश के रूपपुर में बन रहे परमाणु ऊर्जा संयंत्र के विकास को लेकर भी बात हुई।

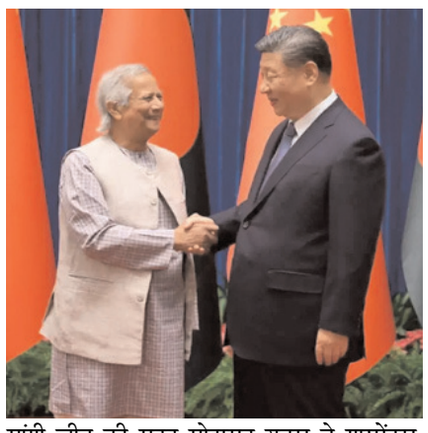

बलूचिस्तान में विद्रोहियों का दबदबा, पाक सेना की पकड़ सिमटी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए उसका सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान गले की फांस बनता जा रहा है। कभी इस्लामाबाद के हुक्मरानों की जमींदारी समझा जाने वाला इस प्रांत में अब बलूच विद्रोहियों का दबदबा है। जमीनी हकीकत ये है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की पकड़ अब राजधानी क्वेटा के इर्दगिर्द ही सिमट कर रह गई है। बलूचिस्तान की सड़कों पर अब फबलूच लड़ाकों का सिक्का चल रहा है। हालात ये है कि अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस को अब इस इलाके में कदम रखने के लिए बलूच लड़ाकों से मंजूरी लेनी पड़ती है। सीपैक में काम कर रहे चीनी श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उन्हें कहा गया है कि वे ग्वादर से बाहर न निकलें। यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान को अपने किसी प्रांत में इतनी बड़ी बगावत झेलनी पड़ रही है। इससे पहले 2000-10 के बीच खैबर पख्तूनख्वा के कबायली इलाकों में देखने को मिली थी, जब ञ्ञ्ञक्ने कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इस बीच बलूचिस्तान में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच की गिरफ्तारी के विरोध में 10 हजार महिलाएं सड़कों पर उतरीं।

पंजाब प्रांत के 6 बस यात्रियों की गोली मार हत्या, क्वेटा में ब्लास्ट से दो पुलिसवाले मरे : ग्वादर में सशस्त्र विद्रोहियों ने बुधवार को बस यात्रियों को उतारकर गोली मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। यह हमला ओरमारा हाईवे पर हुआ। बस कराची जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, सभी मृतकों का संबंध पंजाब प्रांत से था। उधर, क्वेटा में विद्रोहियों ने आईईडी से पुलिस वैन को निशाना बनाया। इससे दो पुलिसवालों समेत 3 की मौत हो गई जबकि 21 घायल हो गए।

चीन ने 60 निजी सुरक्षा बलों को पाकिस्तान में तैनात किया : बलूच विद्रोहियों के हमलों के बढ़ते खतरे को देखते हुए चीन ने

पहली बार अपने निजी सुरक्षा बलों को पाकिस्तान में तैनात किया है। सूत्रों के अनुसार, चीन ने अपने इंजीनियरों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तीन निजी सुरक्षा कंपनियों- दवे सिक्योरिटी फ्रंटियर सर्विस ग्रुप, चाइना ओवरसीज सिक्योरिटी ग्रुप और हुआक्सिन झोंगशान सिक्योरिटी सर्विस को नियुक्त किया है। पहले चरण में 60 चीनी सुरक्षा कर्मियों को सिंध प्रांत में स्थित दो सीपैक पावर प्रोजेक्ट्स पर तैनात किया गया है। ये पाक सेना के साथ मिलकर काम करेंगे। बलूच विद्रोहियों के अलावा बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच पाक सेना व सरकार को चुनौती दे रही हैं। इसके चलते बीते हफ्ते पाक सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानी एजेंसियों ने महरंग को कैद कर यह सोचा था कि चुनौती खत्म हो जाएगी।

चैत्र नवरात्र

परम्परा और संस्कृति का पर्व

हमारे वेद, पुराण व शास्त्र साक्षी हैं कि जब-जब किसी आसुरी शक्तियों ने अत्याचार व प्राकृतिक आपदाओं द्वारा मानव जीवन को तबाह करने की कोशिश की तब-तब किसी न किसी दैवीय शक्तियों का अवतरण हुआ। इसी प्रकार जब महिषासुरादि दैत्यों के अत्याचार से भू व देव लोक व्याकुल हो उठे तो परम पिता परमेश्वर की प्रेरणा से सभी देवगणों ने एक अद्भुत शक्ति का सृजन किया जो आदि शक्ति मां जगदंबा के नाम से सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त हुई। उन्होंने महिषासुरादि दैत्यों का वध कर भू व देव लोक में पुनःप्राण शक्ति व रक्षा शक्ति का संचार कर दिया। शक्ति की परम कृपा प्राप्त करने हेतु संपूर्ण भारत में नवरात्रि का पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 11 अप्रैल शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारम्भ होगी। प्रतिपदा तिथि के दिन शारदिय नवरात्रों का पहला नवरात्र होगा। माता पर श्रद्धा व विश्वास रखने वाले व्यक्तियों के लिये यह दिन विशेष रहेगा। 20 अप्रैल को नवरात्र पूर्ण हो जाएंगे। नवरात्रि का अर्थ होता है, नौ रातें। हिन्दू धर्मानुसार यह पर्व वर्ष में दो बार आता है। एक शरद माह की नवरात्रि और दूसरी बसंत माह की। इस पर्व के दौरान तीन प्रमुख हिंदू देवियों- पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ स्वरुपों श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है। जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं।

नव दुर्गा- श्री दुर्गा का प्रथम रूप श्री शैलपुत्री हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण ये शैलपुत्री कहलाती हैं। नवरात्र के प्रथम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इसके आलावा श्री दुर्गा का द्वितीय रूप श्री ब्रह्मचारिणी का हैं। यहां ब्रह्मचारिणी का तात्पर्य तपश्चारिणी है। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप से प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। अतः ये तपश्चारिणी और ब्रह्मचारिणी के नाम से विख्यात हैं। नवरात्रि के द्वितीय दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। श्री दुर्गा का तृतीय रूप श्री चंद्रघंटा है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। नवरात्रि के तृतीय दिन इनका पूजन और अर्चना किया जाता है। इनके पूजन से साधक को मणिपुर चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वतः प्राप्त हो जाती हैं तथा सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। श्री दुर्गा का चतुर्थ रूप श्री कूष्मांडा हैं। अपने उदर से अंड अर्थात् ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्मांडा देवी के नाम से पुकारा जाता है। नवरात्रि के चतुर्थ दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। श्री कूष्मांडा की उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक नष्ट हो जाते हैं। श्री दुर्गा का पंचम रूप श्री स्कंदमाता हैं। श्री स्कंद (कुमार कार्तिकेय) की माता होने के कारण इन्हें स्कंदमाता कहा जाता है। नवरात्रि के पंचम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इनकी आराधना से विशुद्ध चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वतः प्राप्त हो जाती हैं। श्री दुर्गा का षष्ठम् रूप श्री कात्यायनी। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था। इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। नवरात्रि के षष्ठम दिन इनकी पूजा और आराधना होती है। श्रीदुर्गा का सप्तम रूप श्री कालरात्रि हैं। ये काल का नाश करने वाली हैं, इसलिए कालरात्रि कहलाती हैं। नवरात्रि के सप्तम दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। इस दिन साधक को अपना चित्त भानु चक्र (मध्य ललाट) में स्थिर कर साधना करनी चाहिए। श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णतः गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। श्री दुर्गा का नवम् रूप श्री सिद्धिदात्री हैं। ये सब प्रकार की सिद्धियों की दाता हैं, इसीलिए ये सिद्धिदात्री कहलाती हैं। नवरात्रि के नवम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है।

नवरात्रि का महत्व एवं मनाने का कारण

नवरात्रि काल में रात्रि का विशेष महत्व होता है। देवियों के शक्ति स्वरुप की उपासना का पर्व नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक, निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। नवरात्रि के नौ दिनों में आदिशक्ति माता दुर्गा के उन नौ रूपों का भी पूजन किया जाता है जिन्होंने सृष्टि के आरम्भ से लेकर अभी तक इस पृथ्वी लोक पर विभिन्न लीलाएँ की थीं। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। नवरात्रि के समय रात्रि जागरण अवश्य करना चाहिये और यथा संभव रात्रिकाल में ही पूजा हवन आदि करना चाहिए। नवदुर्गा में कुमारिका यानि कुमारी पूजन का विशेष अर्थ एवं महत्व होता है।कहीं-कहीं इन्हें कन्या पूजन के नाम से भी जाना जाता है। जिसमें कन्या पूजन कर उन्हें भोज प्रसाद दान उपहार आदि से कुमारी कन्याओं की सेवा की जाती है। आश्विन मास के शुक्लपक्ष कि प्रतिपद्रा से लेकर नौं दिन तक विधि पूर्वक व्रत करें। प्रातः काल उठकर स्नान करके, मन्दिर में जाकर या घर पर ही नवरात्रों में दुर्गाजी का ध्यान करके कथा पढ़नी चहिए। इस व्रत में उपवास या फलाहार आदि का कोई विशेष नियम नहीं है। कन्याओं के लिये यह व्रत विशेष फलदायक है। कथा के अन्त में बारम्बार 'दुर्गा माता तेरी सदा जय हो' का उच्चारण करें ।

गुप्त नवरात्रि

हिंदू धर्म के अनुसार एक वर्ष में चार नवरात्रि होती है। वर्ष के प्रथम मास अर्थात चैत्र में प्रथम नवरात्रि होती है। चौथे माह आषाढ़ में दूसरी नवरात्रि होती है। इसके बाद अश्विन मास में प्रमुख नवरात्रि होती है। इसी प्रकार वर्ष के ग्यारहवें महीने अर्थात माघ में भी गुप्त नवरात्रि मनाने का उल्लेख एवं विधान देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। इनमें अश्विन मास की नवरात्रि सबसे प्रमुख मानी जाती है। इस दौरान पूरे देश में गरबों के माध्यम से माता की आराधना की जाती है। दूसरी प्रमुख नवरात्रि चैत्र मास की होती है। इन दोनों नवरात्रियों को क्रमशः शारदीय व वासंती नवरात्रि के नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त आषाढ़ तथा माघ मास की नवरात्रि गुप्त रहती है। इसके बारे में अधिक लोगों को जानकारी नहीं होती, इसलिए इन्हें गुप्त नवरात्रि कहते हैं। गुप्त नवरात्रि विशेष तौर पर गुप्त सिद्धियां पाने का समय है। साधक इन दोनों गुप्त नवरात्रि में विशेष साधना करते हैं तथा चमत्कारिक शक्तियां प्राप्त करते हैं।

विजय का संदेश देती देता

गुड़ी पड़वा

गुड़ी यानी विजय पताका। भोग पर योग की विजय, वैभव पर विभूति की विजय और विकास पर विचार की विजय। मंगलता और पवित्रता को वातावरण में सतत प्रसारित करने वाली इस गुड़ी को फहराने वाले को आत्मनिरीक्षण करके यह देखना चाहिए कि मेरा मन शांत, स्थिर और सात्विक बना या नहीं? सोते हुए के कानों में सांस्कृतिक शंख ध्वनि फूंकने और मृत मानव के शरीर में जीवन संचार करने के लिए आज भी ऐसे शालिवाहनों की जरूरत है। मानव मात्र में ईश्वर दत्त विशिष्ट शक्तियां हुई हैं। आवश्यकता है मात्र उन्हें जगाने की। समुद्र लांघने के समय सिर पर हाथ रखकर बैठे हुए हनुमान को जरूरत है पीठ पर हाथ फेरकर विश्वास देने वाले जांबवंत की। शस्त्र त्याग कर बैठे हुए अर्जुन को जरूरत है उत्साहप्रेरक मार्गदर्शक कृष्ण की। संस्कृति के सपूत और गीता के युवकों का सत्कार करने के लिए आज का समाज भी तैयार है। आज के दिन पुरुषार्थी और पराक्रमी सांस्कृतिक वीर बनने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। ऐसी कई लोगों की मान्यता है कि इसी दिन श्री रामचंद्रजी ने बाली के जुल्म से दक्षिण की प्रजा को मुक्त किया था। बाली के त्रास से मुक्त हुई प्रजा ने घर-घर में उत्सव मनाकर गुड़ियां (ध्वजाएं) फहराईं। आज भी घर के आंगन में गुड़ी खड़ी करने की प्रथा महाराष्ट्र में प्रचलित है। इसीलिए इस दिन को गुड़ी पड़वा नाम मिला है। घर के आंगन में जो गुड़ी खड़ी की जाती है, वह विजय का संदेश देती है। घर में बाली का (आसुरी संपत्ति का राम यानी देवी संपत्ति ने) नाश किया है, ऐसा उसमें सूचक है।

कैसे हुआ शालिवाहन शक का प्रारंभ

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा कहते हैं। वर्ष के साढ़े तीन मुहूर्तों में गुड़ी पड़वा की गिनती होती है। शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। शालिवाहन नामक एक कुम्हार के लड़के ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिटक कर उसको सजीव बनाया और उसकी मदद से प्रभावी शत्रुओं का पराभव किया। इस विजय के प्रतीक रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ हुआ। शालिवाहन ने मिट्टी की सेना में प्राणों का संचार किया, यह एक लाक्षणिक कथन है। उसके समय में लोग बिलकुल चैतन्यहीन, पौरुषहीन और पराक्रमहीन बन गए थे। इसलिए वे शत्रु को जीत नहीं सकते थे। मिट्टी के मुर्दों को विजयश्री कैसे प्राप्त होगी? लेकिन शालिवाहन ने ऐसे लोगों में चैतन्य भर दिया। मिट्टी के मुर्दों में, पत्थर के पुतलों में पौरुष और पराक्रम जाग पड़ा और शत्रु की पराजय हुई।

क्या है?

वर्ष प्रतिपदा एवं नव संवत्सर

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वर्ष प्रतिपदा कहलाती है। इस दिन से ही नया वर्ष प्रारंभ होता है। इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनकी निर्माण की हुई सृष्टि के मुख्य-मुख्य देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्वों, ऋषि-मुनियों, मनुष्यों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीटाणुओं का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का पूजन किया जाता है।

इस दिन से नया संवत्सर शुरू होता है अतः इस तिथि को नव-संवत्सर भी कहते हैं। संवत्सर अर्थात् बारह महीने का काल विशेष। संवत्सर उसे कहते हैं, जिसमें सभी महीने पूर्णतः निवास करते हो।

संवत्सर क्या है?

भारतीय संवत्सर वैसे तो पांच प्रकार के होते हैं। इनमें से मुख्यतः तीन हैं- सावन, चान्द्र तथा सौर।

सावन - यह 360 दिनों का होता है। संवत्सर का मोटा-सा हिसाब इसी से लगाया जाता है। इसमें एक माह की अवधि पूरे तीस दिन की होती है।

चैत्र ही एक ऐसा माह है जिसमें वृक्ष तथा लताएं पल्लवित व पुष्पित होती हैं। इसी मास में उन्हें वास्तविक मधुरस पर्याप्त मात्रा में मिलता है। वैशाख मास, जिसे माधव कहा गया है, में मधुरस का परिणाम मात्र मिलता है।

चान्द्र - यह 354 दिनों का होता है। अधिकतर माह इसी संवत्सर द्वारा जाने जाते हैं। यदि मास वृद्धि हो तो इसमें तेरह मास अन्यथा सामान्यतया बारह मास होते हैं। इसमें अंगरेजी हिसाब से महीनों का विवरण नहीं है बल्कि इसका एक माह शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक या कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से पूर्णिमा तक माना जाता है। इसमें प्रथम माह को अमांत और द्वितीय माह को पूर्णिमांत कहते हैं। दक्षिण भारत में अमांत और पूर्णिमांत माह का ही प्रचलन है। धर्म-कर्म, तीज-त्योहार और लोक-व्यवहार में इस संवत्सर की ही मान्यता अधिक है।

सौर - यह 365 दिनों का माना गया है। यह सूर्य के मेष संक्रांति से आरंभ होकर मेष संक्रांति तक ही चलता है

नए वर्ष के स्वागत का पर्व

चैत्र पक्ष वर्ष प्रतिपदा के दिन गुड़ी उभार कर संवत्सर का स्वागत किया जाता है। इस उत्सव को वैसे तो सभी मराठी भाषी पूरे उत्साह से मनाते हैं लेकिन उन परिवारों में इसको मनाने का उत्साह और बढ़ जाता है जिनके यहां नई बहू आती है। नई बहू से गुड़ी पूजन का विशेष महत्व होता है। इसका महत्व यह बताया गया है कि घर की बागड़ोर नई पीढ़ी को सौंपी जाए। इस दिन घर के लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं। नई बहू और बेटे से संयुक्त रूप से गुड़ी का पूजन कराया जाता है। फिर घर के सभी लोग पूजन करते हैं। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। विक्रम संवत के महीनों के नाम आकाशीय नक्षत्रों के उदय और अस्त होने के आधार पर रखे गए हैं। सूर्य, चन्द्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं। मान्यता है कि इस दिन दुर्गा जी के आदेश पर श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था। सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चन्द्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि का प्रतीक सूर्य और चन्द्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पति हुई है।

नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए - हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों। दुर्गा जी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजा कर पूजा का मंगल कार्य संपन्न करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोए और अपने घर में पूजा स्थल में रखें। स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

- एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान राम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान राम के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

- एक अन्य मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही सृष्टि की रचना की। श्री विष्णु भगवान ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

- यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ। धार्मिक दृष्टि से फल, फूल, पत्तियां, पौधों तथा वृक्षों का विशेष महत्व है।

चैत्र मास में पेड़-पौधों पर नई पत्तियों आ जाती हैं तथा नया अनाज भी आ जाता है जिसका उपयोग सभी देशवासी वर्षभर करते हैं, उसको नजर न लगे, सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे, पूरे वर्ष में आने वाले सुख-दुख सभी मिलकर झेल सकें, ऐसी कामना ईश्वर से करते हुए नए वर्ष और नए संवत्सर के स्वागत का प्रतीक है गुड़ी पड़वा।

हर मराठी भाषी के घर में विजय पताका के रूप में गुड़ी लगाई जाती है। महिलाएं रंगोली से आंगन तथा गुड़ी लगाने के स्थान को सजाती हैं।

बचपन

बायां कान छू लिया तो हो गया एडमिशन

बहुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह सवाल उठा, तो हमारे ज्ञानी गुरुजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय बच्चे से कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। अगर बच्चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का बिलकुल सरल परीक्षण है।

बच्चे की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी स्कूल में दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग क्लासेस होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे की तमाम कक्षाएं।

दरअसल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी सीखें उसे एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें उसी के अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर आपको पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ बैठा दिया जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। कक्षाएं होने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस दरे के बच्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो पढ़नी होती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी सकते हैं। अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूप वो स्थान है जहां सभी एक आयु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।

पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।

पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की सीख देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी इन्हें खुद पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं। पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन आपको जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण आ जाएं तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है
   पर रबड़ मुझे हराता है
   खोई सूई में पा लेता हूं
   मेरा खेल निराला है।

उत्तर
1. गैस, 2. द्रव्य, 3. कांच

जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते हैं, तो एक-दूजे का सुकून। यानि बस तंग करना ही मकसद है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं। आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में –

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुररर्..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।

टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने की भावना, जेरी द्वारा टॉम के अन्य संभावित शिकारों (जैसे कि बतख, चिड़िया या मछली) को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी के खेल काल्पनिक हैं, इनकी नकल करना घातक हो सकता है।

जाने डॉल्फिन के बारे में

डॉल्फिन को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में डॉल्फिन एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह व्हेल एक स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। यह एक छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना संसार के समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह में रहना पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते हैं। हमारे भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी में मौजूद डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी खासियत यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकालती है जो किसी भी चीज से टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना बड़ा और कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक दूसरे से बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है। डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है लेकिन वह पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है।

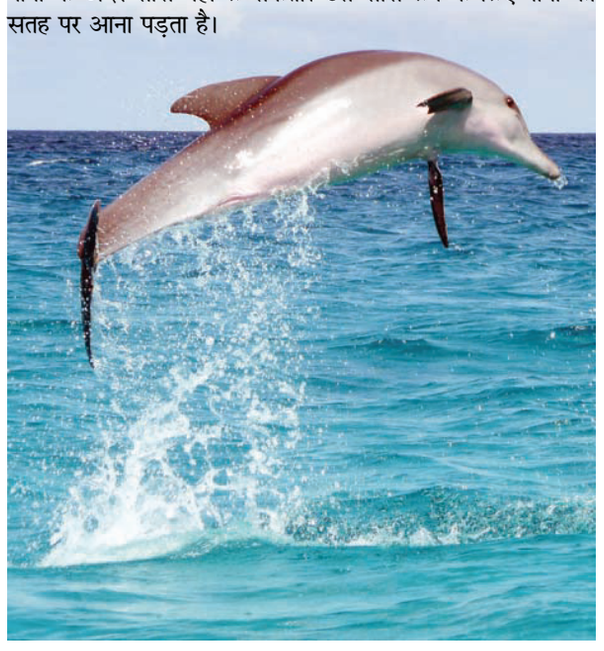

देसी कहानियां बनाना भूल गए हैं मेकर्स

गदर 2 के बाद से सनी देओल के पास लगातार बड़ी फिल्मों की लाइन अप हैं। उनमें से एक पुष्पा फेम वाले निर्माताओं और प्रभास के साथ काम करने वाले निर्माताओं के साथ वाली भी फिल्म है। उसका नाम जाट है। ये 10 अप्रैल को रिलीज होगी। सनी ने साफ लहजों में कहा कि साउथ में अब भी निर्माता भारतीय जड़ों से जुड़ी कहानियां कह रहें हैं। बॉलीवुड में मेकर्स वैसी बनाना जरा भूल गए हैं।

साउथ में समाज के मुद्दे के इर्द-गिर्द होती है कहानी

सनी ने कहा... चूंकि हम लोग शायद शहरों में रह रहे हैं तो हम फॉरेन प्रभाव में चले जाते हैं। नतीजतन देसी कहानियों को पीछे कर देते हैं। साउथ में ऐसा नहीं है। समाज में जो कुछ मौजूदा मुद्दे हैं, उनके इर्द-गिर्द वाली कहानियां ही कहीं जाती हैं। यह चीज अब फिर से हमें हिंदी में भी शुरू करनी चाहिए, जो हमें हमारी जड़ों की ओर ले जाए।

मैं यकीनन आजकल अलग तरह की फिल्में कर रहा हूं

सनी ने साथ ही एक और चीज स्पष्ट की। वह यह कि वह जल्दबाजी में फिल्में साइन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा... मैं यकीनन अलग तरह की फिल्में कर रहा हूं। ऐसा भी नहीं है कि गदर या गदर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर रहीं तो मैंने अंधाधुंध काफी सारी फिल्में साइन कीं। मेरी स्पीड उतनी होती है जितना वक्त फिल्म को बनने में लगता है। जैसे मेरे डायरेक्टर्स भी कहा करते हैं मैं दिन नहीं गिनता कितने दिए मैंने। फिल्म को देखता हूं कि वह अच्छी बने। मेरी स्पीड उसी के हिसाब से रहती है।

एक फिल्म अच्छी होती है या बुरी, स्क्रिप्ट सही होनी चाहिए

जाट में सनी को लार्जर दैन लाइफ अवतार दिया गया है। उसमें वह किस तरह विश्वसनीय महसूस हों, फिल्म के गोपीचंद मलिनेनी ने बताया... मेरा मानना है बतौर इंसान इमोशन तो यूनिवर्सल होते हैं। चाहे आप कहीं से बिलॉन्ग करते हों। स्क्रिप्ट सही तरह से लिखी हुई हो और उसके तहत सही तरह से सीन फिल्माए जाएं तो किरदार विश्वसनीय हो जाते हैं। फिल्म अच्छी होती है या बुरी होती है। मास या क्लास या आर्ट ये क्या होता है? फिल्म तो फिल्म होती है।

एल्विश यादव के साथ रिलेशनशिप के दावे पर अभिनेत्री ने दी प्रतिक्रिया

बिग बॉस 17 की प्रतियोगी मनारा चोपड़ा ने एल्विश यादव से डेटिंग वाली बात पर प्रतिक्रिया दी है। बीते दिनों यूट्यूबर एल्विश ने अपने पॉडकास्ट के प्रोमो में कहा था कि उनका चक्कर मनारा के साथ चल रहा है। अब इसपर मनारा ने अपने नए गाने के बोल गाकर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं आखिर अभिनेत्री ने क्या कहा।

एल्विश के साथ उनकी अजीब दास्तां

यूट्यूबर एल्विश यादव से रिलेशनशिप वाले जवाब में मनारा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह यूट्यूबर द्वारा उनके साथ रिश्ते वाली बात को सुनते हुए दिख रही हैं। साथ ही वह कई तरीके के रिएक्शन भी देती हुई दिखाई दे रही हैं। इसे देखने के बाद मनारा ने हाल ही में ही रिलीज हुआ उनका गाना अजीब दास्तां है गाने लगती हैं। इसके अलावा वह यह भी कहती हैं कि उनकी जिंदगी में ऐसी कई अजीब दास्तां होती रहती हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मनारा ने कैप्शन में लिखा कि एल्विश यादव के साथ उनकी अजीब दास्तां। हालांकि, वीडियो में यह लगा कि वह अपने गाने को प्रमोट कर रही हैं।

क्या था एल्विश यादव ने?

बीते दिन एल्विश यादव के पॉडकास्ट का एक प्रोमो रिलीज, जिसमें राव साहब (एल्विश यादव) ने मनारा चोपड़ा के साथ चल रहे अफेयर्स की अफवाहों के बारे में सवाल किया। इसपर एल्विश ने जवाब दिया हां, मन्नारा के साथ उनका चक्कर चल रहा है और उन्होंने ही यूट्यूबर की एंट्री लाफ्टर शेफ्स में कराई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लाफ्टर शेफ्स ही नहीं, उन्होंने कई क्लबों में भी उनकी एंट्री कराई है। हालांकि, यह सब वह अपने शो में मजाक के तौर पर कह रहे हैं और वह खुद का इंटरव्यू लेते दिखाई दे रहे हैं।

मनारा चोपड़ा का वर्कफ्रंट

मनारा इस समय लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रही हैं, जिसमें एल्विश यादव भी हैं। इससे पहले अभिनेत्री बिग बॉस 17 का हिस्सा रही हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की कजिन सिस्टर यानी बहन मनारा चोपड़ा ने अपनी आवाज में दिवंगत गायिका लता मंगेशकर का गाना 'अजीब दास्तां है ये' को रिक्रिएट किया था। इस गाने को लेकर मनारा के फैंस ने उन्हें सराहा।

दीपिका चिखलिया का होने जा रहा छोटे परदे पर नया अवतार, शक्ति के इस रूप में करेंगी भक्त की रक्षा

'दूरदर्शन' पर रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभाकर देश-दुनिया में मशहूर हुईं दीपिका चिखलिया इन दिनों छोटे परदे पर फिर से सक्रिय हैं। हाल ही में धारावाहिक 'धरतीपुत्र नंदिनी' में दिखी दीपिका की धमाकेदार एंट्री अब धारावाहिक बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में गुरु मां के रूप में होने जा रही है। दीपिका अपने इस किरदार को लेकर खासी उत्साहित भी हैं। और, दीपिका से ज्यादा उत्साहित इस धारावाहिक की हीरोइन दीक्षा धामी हैं। पता चला है कि धारावाहिक बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन अब एक बड़े और अनोखे बदलाव की ओर बढ़ रहा है। शो के हालिया ट्रैक में फिलहाल चैना के हालात और मुश्किल होते नज़र आ रहे हैं। वहीं, चमकीली अपनी चालाकी से परिवार को चैना के खिलाफ करने में सफल होती दिखाई देती है। लेकिन कहानी में एक बड़ा मोड़ तब आएगा, जब गुरु मां के रूप में एक दैवीय शक्ति प्रकट होगी। चैना का किरदार निभा रही दीक्षा धामी बताती हैं, हम सभी अपने माता-पिता से सीता मैया के रूप में दीपिका जी को मिले सम्मान की बातें सुनकर बड़े हुए हैं। जब मैंने अपनी माँ को बताया कि मैं दीपिका जी के साथ काम करने वाली हूं तो वह खुशी से झूम उठीं और बोलीं कि अब मेरा हीरोइन बनना सफल रहा। पूरे मोहल्ले में उन्होंने इसका ढोल पीट दिया है।

दीक्षा कहती हैं, दीपिका जी इतनी बड़ी कलाकार होने के बावजूद बहुत विनम्र और सरल हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही सुन्दर अनुभव है और मुझे उनसे हर दिन कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। जिस तरह से वे हर एक सीन को खूबसूरती से निभाती हैं, वह सब कुछ बहुत ही प्रेरणादायक बना देती हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। गुरु मां के रूप में अभिनेत्री दीपिका चिखलिया की एंट्री से दर्शकों को धारावाहिक बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में जोरदार ड्रामा देखने को मिल सकता है। गुरु मां के रूप में दीपिका को देखना भी दर्शकों के लिए अलग अनुभव होगा। हाल ही में दीपिका ने बतौर निर्माता भी अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। उनके पहले धारावाहिक 'धरतीपुत्र नंदिनी' का प्रसारण हाल ही में पूरा हुआ है।

'जाट' से डरे राजकुमार राव, आगे बढ़ाई अपनी फिल्म

अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री वामिका गब्बी पहली बार एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाले हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की घोषणा करते हुए निर्माताओं की ओर से इसका टीजर जारी किया गया था। ये फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। मेकर्स ने जानकारी दी है कि फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। इससे अब राजकुमार राव की फिल्म का क्लैश सनी देओल की 'जाट' से होने से बच गया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर साझा किया नया पोस्टर

फिल्म के मेकर्स की ओर से एक नया मोशन पोस्टर जारी किया गया है। जिसमें फिल्म की नई रिलीज डेट की जानकारी दी है। राजकुमार राव और वामिका गब्बी की ये फिल्म अब 10 अप्रैल की जगह 9 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के मेकर्स मेडॉक फिल्म्स की ओर से इस मोशन पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा गया, अपनी हल्दी में ही अटक गए रंजन और तितली। क्या उनकी शादी का दिन आएगा कभी? पता चलेगा 9 मई को। 'भूल चूक माफ' सभी सिनेमाघरों में। फिल्म के जारी पहले टीजर में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के किरदारों को अपनी शादी की उत्सुकता से तैयारी करते हुए दिखाया गया था। टीजर में शादी की तारीखें तय करने से लेकर हल्दी तक के दृष्य दिखाए गए थे। दोनों की शादी 30 तारीख को होना तय होता है। फिर शादी से एक दिन पहले रात को सोने के बाद जब राजकुमार राव अगले दिन उठते हैं तो पता चलता है कि अभी तो 29 तारीख ही है। इसके बाद राजकुमार राव का किरदार परेशान हो जाता है और फिल्म एक बड़े ट्विस्ट की ओर इशारा करती है।

'जाट' की वजह से टली रिलीज!

फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाने के पीछे की एक वजह 10 अप्रैल को आ रही सनी देओल की फिल्म 'जाट' भी हो सकती है। क्योंकि सनी देओल-रणदीप हुड्डा की 'जाट' को लेकर काफी ज्यादा बज बना हुआ है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।

करण शर्मा ने किया फिल्म का निर्देशन

टीजर में नजर आए कई सारे पंच लाइंस से भरपूर इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म मैडॉक फिल्म्स के अंतर्गत निर्मित की गई है जिसे दिनेश विजन ने प्रोड्यूस किया है।

'स्त्री 2' में नजर आए थे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आए थे। जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसके अलावा राजकुमार राव अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' को लेकर भी चर्चाओं में बने हुए हैं। वहीं वामिका गब्बी आखिरी बार वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आई थीं।

लाइगर के बाद विजय देवरकोंडा ने कंगडम के लिए फिर किया ये कमाल

विजय देवरकोंडा अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। अब यह फिल्म एक और वजह से चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के निर्माता नागा वामसी ने विजय की फीस से जुड़ी दिलचस्प जानकारी साझा की है। मुनाफे में हिस्सा लेंगे विजय हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में किंगडम के निर्माता नागा वामसी ने बताया कि विजय देवरकोंडा ने किंगडम के लिए अपनी फीस के रूप में केवल एक टोकन राशि ली है और जब फिल्म अपना बजट वसूल कर लेगी और सिनेमाघरों में रिलीज होने पर मुनाफा कमाएगी तो वह उसमें से कुछ हिस्सा लेंगे। निर्माता ने कहा, इस तरह हम फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए अधिक पैसा लगा सकते हैं।

लाइगर में भी विजय ने किया था ये काम

बता दें कि विजय ने लाइगर के निर्माण के दौरान भी ऐसा ही किया था। जब लाइगर के निर्देशक-निर्माता पुरी जगन्नाथ एक महत्वपूर्ण शेड्यूल से पहले बजट जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब विजय ने अपने पारिश्रमिक का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया था। इससे पहले नामा वामसी ने कहा था कि फिल्म के दो भागों में आने की संभावना है। हमने कहानी को केवल दो-भाग की फ्रेंचाइजी बनाने के लिए नहीं बढ़ाया। फिल्म में दो भागों में रिलीज होने की गुंजाइश और पैमाना है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत तैयार किया। नवीन नूली ने संपादन विभाग संभाला और यानिक बेन, चेतन डिसूजा और रियल सतीश ने स्टंट कोरियोग्राफर के रूप में काम किया। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल 30 मई को रिलीज होने वाली है। इसमें भाग्यश्री बोरसे और सत्यदेव जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

मेरे काम का अहम हिस्सा है फिटनेस

अभिनेता ईशान खट्टर ने बताया है कि वह हमेशा अपने आउटफिट्स रिपीट करते हैं। उन्होंने कहा कि फिटनेस उनके काम का बेहद अहम हिस्सा बन चुका है। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में डिजाइनर पवन सचदेवा के लिए पहुंचे ईशान से जब पूछा गया कि क्या वह अपने कपड़ों को रिपीट करते हैं, तो उन्होंने कहा, हां, सौ फीसदी। मैं हमेशा ऐसे ही आउटफिट्स रिपीट करता हूं। मैं आज रात भी एक आउटफिट रिपीट करने जा रहा हूं। एक्टर के लिए फिटनेस बहुत मायने रखता है और उनकी जीवनशैली का अहम हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा, फिटनेस मेरे काम का हिस्सा बन चुका है। मैं एक डांसर हूं और आज यह मेरे जीवन का हिस्सा बन चुका है। मैं अपनी बॉडी के साथ मेंटल हेल्थ के लिए भी काम करता हूं क्योंकि यह आपको ओवरथिंकिंग से दूर रहने में भी मदद करता है। यह मेरी जीवनशैली का एक हिस्सा है। ईशान साल 2017 में माजिद मजीदी के ड्रामा 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' में पहली बार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद वह रोमांटिक-ड्रामा 'धड़क' में नजर आए। ईशान ब्रिटिश वेब सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' और अमेरिकी वेब सीरीज 'द परफेक्ट कपल' में भी काम कर चुके हैं। अभिनेता 'द रॉयल्स' सीरीज में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे। सीरीज का टीजर हाल ही में जारी हुआ, जिसमें ईशान मोरपुर के शाही सिंहासन के उत्तराधिकारी अविराज सिंह की भूमिका में हैं। ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर के बीच यह पहला सहयोग है।

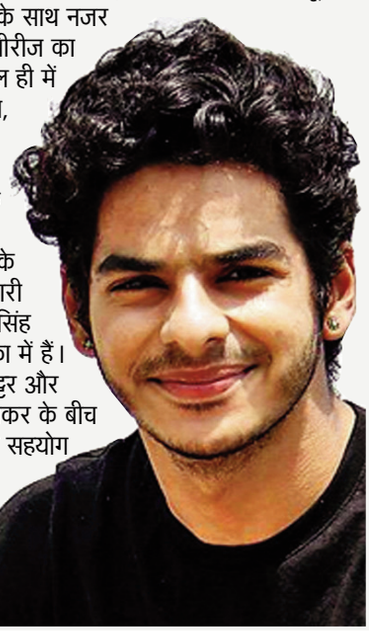

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

गणेश क्रिकेट अकादमी ने स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी को 54 रन से हराया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। वेनि कप 8वां ऑल इंडिया रविंदर फागना अंडर13 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025, रविंदर फागना क्रिकेट ग्राउंड भूमि पाली फरीदाबाद पर खेला गया। और यह मैच श्री गणेश क्रिकेट अकादमी ओर स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। इस मैच में श्री गणेश क्रिकेट अकादमी ने स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी को 54 रन से हराया। यह मैच 20 ओवर का था और श्री गणेश क्रिकेट अकादमी ने पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। श्री गणेश क्रिकेट अकादमी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.4 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 199 रन का लक्ष्य दिया। श्री गणेश क्रिकेट अकादमी की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए विवेक शर्मा ने 49 गेंदों में 6 चौके की मदद से 55 रन, तन्मय यादव ने 47 गेंदों में 6 चौके की मदद से 34 रन बनाए। स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए भाविन चोपड़ा ने 8 ओवर 1 मेडन में 24 रन देकर 5 विकेट, निवान कुकरेजा ने 4.4 ओवर में 1 मेडन 24 रन देकर 2 विकेट, हितार्थ पारेख और रिहान ने 11 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 145 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। स्काईवॉकर्स क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आरुष शर्मा ने 84 गेंदों पर 4 चौके की मदद से 46 रन, हितार्थ पारेख ने 49 गेंदों में 5 चौके की मदद से 37 रन बनाए। श्री गणेश क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए समीर खान ने 7 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट, अखियांश काश्यप, संचित, सिद्धार्थ ओर तन्मय यादव ने 11 विकेट लिया।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच विवेक शर्मा को घोषित किया गया और फाइटर ऑफ द मैच भाविन चोपड़ा को घोषित किया गया।

महिलाओं को रोजगार परक बनाने का पूर्ण प्रयास है बसंती देवी ट्रस्टः नरेश मलिक

सोलह महिलाओं को सिलाई मशीन की भेंट

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। बसन्ती देवी चैरिटेबल ट्रस्ट और रोटरी क्लब ऑफ़ फरीदाबाद सैफ़ायर द्वारा जाट सभा के सहयोग से चलाए जा रहे श्रीमति बसंती मलिक सिलाई केन्द्र में महिला उत्थान के तत्वाधान में सोलह महिलाओं को सिलाई मशीन्स भेंट की गईं ।

बसंती देवी ट्रस्ट और मंशा ग्रुप के चेयरमैन श्री नरेश मलिक ने बताया कि हर साल जो भी महिला हमारे सिलाई केन्द्र से पास होती हैं हम सभी को मशीन देकर उनको रोजगार परक बनाने का पूर्ण प्रयास करते हैं । रोटरी सैफ़ायर के प्रेसिडेंट धीरेन्द्र श्रीवास्तव ने पूर्ण कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और जाट सभा के पदाधिकारी हरीश मलिक और बिजेन्द्र जी के साथ उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों का बहुत शुक्रिया अदा किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नरेश जी के पिताश्री करण सिंह जी को सभी रोटरी सदस्यों रजनीश मलिक, अंजू श्रीवास्तव, ईशा गुप्ता, दलीप, मीनू वर्मा, असीम लूथरा, अनन्त कौशिक और मंशा ग्रुप के डायरेक्टर हिमांशु मलिक द्वारा शॉल उढ़ाकर की गई। सभी महिलाओं ने नृत्य इत्यादि प्रस्तुत करके रोटरी और बसन्ती देवी ट्रस्ट में अपना विश्वास दिखाया।रोटरी और जाट सभा से पंकज निगम, सीमा, जय प्रकाश गर्ग, ऋतु गर्ग, विशाल जैन, पंकज भाटिया, अजय, सुरेश कौशिक, राकेश मलिक, दहिया जी सभी की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही।

हिन्दू धर्म में होता है नवरात्रों का विशेष महत्व : डॉ राजेश भाटिया

डॉ अनिल मलिक सी.सै. स्कूल के बच्चों ने मनाया नवरात्रि महोत्सव

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक में संचालित डा. अनिल मलिक श्री सनातन धर्म महाबीर दल सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया। इस दौरान नन्ही बर्चचियों ने माता का रुप धारण करके उपस्थितजनों को भोर विभोर कर दिया और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए, जिन्हें उपस्थितजनों ने खूब सराहा।

इस मौके पर मंदिर कमेटी के प्रधान डा. राजेश भाटिया ने बच्चों की इस पहल की जमकर प्रशंसा की। डॉ राजेश भाटिया ने कहा कि नवरात्रि पर्व कल से शुरू होंगे और इसको लेकर मंदिर में तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों को लेकर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी जिसमें प्रात: 10:00 बजे माता रानी की ज्योत-प्रचंड फरीदाबाद की नवनिर्वाचित मेयर प्रवीण बत्रा जोशी एवं संदीप जोशी द्वारा की जाएगीद। उन्होंने कहा कि हर वर्ष नवरात्रों को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां की जाती है ताकि श्रद्धालुओं यहां पूरे रीति रिवाज के साथ पूजा अर्चना कर सके और आज आज स्कूल के बच्चों के द्वारा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुतीकरण की भूरि भूरि प्रशंसा करी। उन्होंने अपनी आस्था जताते हुए कहा कि नवरात्रों पर मां सभी पर अपनी कृपा बरसाएगी और समाज में सुख-समृद्धि कायम रहेगी।

इस अवसर पर डॉ अनिल मलिक श्री सनातन धर्म महाबीर दल की संपूर्ण कार्यकारिणी उप प्रधान-मोक्षित भाटिया, सचिव-जनक भाटिया, महासचिव-मनोज कुमार रतड़ा, कोषाध्यक्ष-सचिन भाटिया, कार्यकारिणी सदस्य रंजय भाटिया एवं सदस्य रिंकल भाटिया, अमित नरूला, भरत कपूर, आशीष अरोड़ा, शिवम तनेजा, अजय शर्मा, संदीप भाटिया, बिट्टू डंग, जतिन बांगा, तथा स्कूल के अध्यापकगण में निशि अदलखा, सोनिया अरोड़ा, सुमन अरोड़ा, नीतू भाटिया, रेखा जोहरा, नीलम सचदेवा, अनु भटिया, प्रवेश भाटिया, अशोक बैसला, रजनी बजाज, संदीप कौर, मोनिका, मान्या रतड़ा, चाहत-कुनाल नागी, नेहा चौहान, शोभा शर्मा, इंदु देशवाल, कुमारी हिमानी, विकास शर्मा, रजनी खस, रेखा वाधवा, सीमा भाटिया, सुनीता गगर, मोनिका, व गगन अरोड़ा शामिल रहे।

फरीदाबाद के उद्यमी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें सहयोग : डीसी

उपायुक्त के माध्यम से उद्यमियों ने बजट अपेक्षा पूरा करने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री के नाम धन्यवाद पत्र सौपा

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। लघु उद्योग भारती फरीदाबाद/बल्लभगढ़ द्वारा आयोजित 'उद्योग निर्देशिका' विमोचन कार्यक्रम में उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर आयोजकों को शुभकामनाएँ दी।

डीसी विक्रम सिंह ने सभी उद्यमियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन जिला के उद्यमियों के साथ है और भविष्य में भी किसी उद्यमी को कोई प्रशासनिक परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क करें।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एवं फरीदाबाद प्रशासन उद्यमियों को सहयोग करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रशासन और सरकार को भी उद्यमियों से सहयोग की अपेक्षा है। जरूरी है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में वे भी अपना पूरा सहयोग दें। इसी तरह आयोजकों ने डीसी विक्रम सिंह का स्वागत कर भरोसा दिलाया कि फरीदाबाद को विकसित बनाने के लिए उनका पूरा सहयोग प्रशासन के साथ रहेगा।

लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के नाम धन्यवाद ज्ञापन उपायुक्त को सौपा। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि लघु उद्योग भारती की वर्षों पुरानी मांग जो की अनियमित क्षेत्र से सम्बंधित थी, को एक ही पल में 2025 -26 में पेश हुए बजट में मंजूरी दे दी। सरकार के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए उद्यमियों ने कहा कि भविष्य में प्रदेश सरकार एमएसएमई उद्यमियों को और सुविधाएँ उपलब्ध करा कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने में पूर्णतया सहयोग करेगी। कार्यक्रम में विद्या भर्ती हरियाणा के अध्यक्ष देव प्रसाद भारद्वाज, विद्या भारती ओम प्रकाश गुप्ता, शुभ आदेश मित्तल, कार्यक्रम संयोजक अमृत पल सिंह कोच्चर, अखिल भारतीय महासचिव ओम प्रकाश गुप्ता, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, अरुण बजाज जी, अध्यक्ष हरियाणा प्रान्त शुभ आदेश मित्तल, चेयरमैन विक्टोरा ग्रुप एच एस बांगा, लघु उद्योग भारती सलाहकार समिति अध्यक्ष बलदेव राज भाटिया, सहित लघु उद्योग भारती की कार्यकरिणी समिति के सदस्य विशेष तौर पर मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने पर निगम की कार्यवाही लगातार रहेगी जारी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। नगर निगम द्वारा एनआईटी जॉन 2 में लगभग सात संपत्तियों को सील किया गया है इनमें ऊपर लगभग 50 लाख रुपए से जूयादा का टैक्स बकाया था। सीलिंग कार्यवाही के दौरान एसजीएम नगर ओर ग्रीन फील्ड कालोनी में सीलिंग की कार्यवाही की। नगर निगम द्वारा बकाया प्रॉपर्टी टैक्स मालिकों पर कार्यवाही लगातार जारी है और इस मामले में आज एनआईटी जॉन 2 में करीब 7 प्रॉपर्टी यूनिटों को सील किया गया है। निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास के आदेशों पर एडिशनल कमिश्नर स्वनिल रविन्द्र पाटिल के मार्गदर्शन में एनआईटी जॉन 2 की जड़टीओ सुमन रत्रा की टीम ने अलग अलग जगहों पर ये कार्यवाही की है। इसके अलावा ओल्ड जॉन 2 में नगर निगम ने टैक्स रिकवरी के लिए कार्यवाही की है , जिसे वसूल करने के लिए सीलिंग की कार्यवाही की जा रही है। जड़टीओ सुनीता ने बताया कि प्रॉपर्टी टैक्स के बकायादारों को नोटिस दे दिए गए थे, लेकिन उन्होंने समय पर टैक्स जमा नहीं कराया इसलिए सीलिंग आज भी दो यूनिटों की सीलिंग की गई,इन दुकानदारों पर लगभग 7 लाख रुपए का टैक्स बकाया था। सीलिंग के भय से आज लगभग ओल्ड जॉन 2 में लगभग 10 लाख रुपए बकाया धारकों ने निगम कार्यालय में जमा कराएं। उन्होंने बताया कि नगर निगम को प्राप्त होने वाला टैक्स शहर के विकास में लगाया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी अपना टैक्स समय पर नगर निगम में जमा कराए। बता दे कि आज निगम के सभी जोनल कार्यालय खुले रहे और कल रविवार को कार्यालय टैक्स जमा करने के लिए खुले रहेंगे।

फरीदाबाद में अवैध खनन रोकने के लिए कड़ी निगरानी, प्रशासन मुस्तैद

क्रैशर जोन पाली में सक्रीय रही जांच टीम

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। महानिदेशक पांडुरंग और उपायुक्त विक्रम सिंह के निर्देशों के तहत जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अवैध खनन पर सख्त नियंत्रण बनाए रखने के लिए निरंतर कठोर अभियान चलाया जा रहा है। आज शनिवार को खनन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने क्रैशर जोन पाली से जुड़े क्षेत्रों का अचानक निरीक्षण किया और वाहनों की जांच की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत, खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं विभागीय गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य खनन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को समाप्त करना है। महानिदेशक के आदेशों के अनुसार, विभागीय टीम पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है और सभी आवश्यक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। उन्होंने यह भी बताया कि चेकिंग के दौरान किसी भी स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि नहीं पाई गई है, और यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो वे तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में उन स्थानों पर जहां अवैध खनन की संभावना अधिक है, वहां पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न इलाकों में अचानक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार का स्पष्ट और मजबूत निर्णय है कि राज्य में अवैध खनन किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं होगा और इसमें संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271

davaindia GENERIC PHARMACY
डिस्काउंट के पीछे भागना छोड़ो
दवाइयों के बिल पर अधिकतम बचत करें*
APPROVED BY FDA
100%* असरदार
*अन्य ब्रांडेड दवाईयों की तुलना में अधिकतम बचत
MEDICINES | HEALTH & WELLNESS | OTC
COSMETICS | PROTEIN SUPPLEMENTS | AYURVEDIC | NUTRACEUTICAL
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
संपर्क करे 9811153271
MHRFAR4222
शॉप नंबर 75, नई अनाज मंडी, बल्लभगढ़, फुट ब्रिज के पास, फ़रीदाबाद -121004

davaindia GENERIC PHARMACY

कैटेगरी	दवाइंडिया की कीमतें	दवाईं की मार्केट में औसतन कीमत	बचत (प्रतिशत)
बीपी एवं हार्ट	₹ 20 (10 Tab)	₹ 67 (10 Tab)	70%
एंटी-डायबिटीज	₹ 30 (15 Tab)	₹ 204 (15 Tab)	85%
मल्टीविटामिन	₹ 50 (15 Tab)	₹ 110 (15 Tab)	54%
नेफ्रो	₹ 33 (10 Tab)	₹ 347 (10 Tab)	90%
डर्मा	₹ 45 (04 Tab)	₹ 99 (04 Tab)	54%
पेन रिलीफ मेडिसिन	₹ 35 (10 Tab)	₹ 130 (10 Tab)	73%
एंटी-कोल्ड / एलर्जी	₹ 27 (10 Tab)	₹ 226 (10 Tab)	88%
एंटासिड	₹ 25 (10 Tab)	₹ 140 (10 Tab)	82%

फार्मा में 35+ सालों का अनुभव | NABL लैब द्वारा प्रमाणित प्रोडक्ट्स | सभी प्रोडक्ट्स WHO सर्टिफाइड प्लांट्स में निर्मित | 2000+ प्रोडक्ट्स उपलब्ध
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
1000+ Stores | 200+ Districts | 26 States
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे 9811153271

OMAXE
Turning dreams into reality
250 Sqft. Shop
Starts @35.87 Lakhs
Monthly Rent 37,125/-
INVESTOR SMILE REAL ESTATE
9899403449, 9810796736